भीम प्रज्ञा अलर्ट

शिक्षा तब जीवित रहती है जब वह सवाल पूछने का साहस दे; जहाँ केवल उपस्थिति गिनी जाए, वहाँ समझ धीरे-धीरे अनुपस्थित हो जाती

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-46 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 5 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

कक्षा से परे ज्ञान की यात्राः उपस्थिति नहीं, समझ को बनाइए शिक्षा की कसौट

शिक्षा यदि केवल घंटी बजने पर कक्षा में बैठ जाने का नाम होती, तो ज्ञान का विस्तार चार दीवारों से आगे कभी जा ही नहीं सकता था। विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों की कल्पना इसलिए नहीं की गई थी कि वे युवाओं को अनुशासन की पंक्तियों में खड़ा कर दें, बल्कि इसलिए कि वे उन्हें सोचने, प्रश्न करने और समाज को नए दृष्टिकोण देने योग्य नागरिक बना सकें। फिर भी विडंबना यह है कि आज उच्च शिक्षा का बड़ा हिस्सा 'अनिवार्य उपस्थिति' जैसे नियमों में उलझकर अपने मूल उद्देश्य से भटकता नजर आता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

कई शैक्षणिक संस्थानों में यह मान लिया गया है कि यदि छात्र कक्षा में मौजूद है, तो वह सीख भी रहा है; और यदि वह अनुपस्थित है, तो वह शिक्षा से विमुख है। यह धारणा जितनी सरल दिखती है, उतनी ही भ्रामक भी है। सीखना एक मानसिक और बौद्धिक प्रक्रिया है, जिसका सीधा संबंध केवल शारीरिक उपस्थिति से नहीं होता। कोई छात्र कक्षा में बैठकर भी निष्क्रिय रह सकता है, और कोई पुस्तकालय, प्रयोगशाला, फील्डवर्क या डिजिटल मंचों के माध्यम से कहीं अधिक गहराई से सीख सकता है। आधुनिक समय में ज्ञान के स्रोत बहुआयामी हो चुके हैं। ऑनलाइन पाठ्यक्रम, शोध लेख, संवाद मंच, प्रोजेक्ट-आधारित अध्ययन और सामुदायिक अनुभव–ये सब शिक्षा के वैकल्पिक लेकिन प्रभावी रूप हैं। ऐसे में यदि विश्वविद्यालय केवल कक्षा में उपस्थिति को ही सीखने का प्रमाण मानें, तो वे ज्ञान की इस व्यापक दुनिया को नकार देते हैं। यह शिक्षा को जीवंत प्रक्रिया की बजाय एक यांत्रिक उपस्थिति रजिस्टर में बदल देता है।

अनिवार्य उपस्थिति का कठोर ढांचा सामाजिक असमानताओं को भी उजागर करता है। हर छात्र एक जैसी परिस्थितियों में नहीं जीता। कोई आर्थिक मजबूरी में काम करता है, कोई पारिवारिक जिम्मेदारियों से घिरा है, कोई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा है। इन विविधताओं को नजरअंदाज कर जब एक ही नियम सब पर थोप दिया जाता है, तो शिक्षा समान अवसर का माध्यम नहीं रह जाती, बल्कि चयन और बहिष्कार का औजार बन जाती है। ऐसे में प्रतिभाशाली लेकिन परिस्थितियों से जूझ रहे छात्र पीछे छूट जाते हैं। शिक्षा का नैतिक पक्ष भी यहां महत्वपूर्ण है। जब संस्थान छात्रों को केवल नियम-पालक के रूप में देखने लगते हैं, तो उनकी स्वायत्तता और गरिमा पर आघात होता है। उच्च शिक्षा के छात्र बच्चे नहीं होते; वे वयस्क होते हैं, जिनसे आत्म-अनुशासन और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। यदि उन पर हर कदम पर निगरानी और दंड का भय लादा जाए, तो स्वतंत्र सोच कैसे विकसित होगी? भय से उपजा अनुशासन समाज को आज्ञाकारी तो बना सकता है, लेकिन सृजनशील और विवेकशील नहीं।

इतिहास गवाह है कि शिक्षा तब सबसे प्रभावी रही है जब वह संवाद और सहभागिता पर आधारित रही है। शिक्षक और छात्र का संबंध आदेश देने वाले और पालन करने वाले का नहीं, बल्कि सहयात्री का होना चाहिए। जब कक्षा विचारों के आदान-प्रदान का मंच बनती है, तब उपस्थिति स्वाभाविक हो जाती है, उसे थोपने की आवश्यकता नहीं पड़ती। समस्या उपस्थिति की नहीं, बल्कि उस शिक्षण पद्धति की है जो छात्रों को कक्षा में आने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रही।

आज वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा छात्र-केंद्रित और लचीले मॉडल की ओर बढ़ रही है। मूल्यांकन का आधार केवल उपस्थिति नहीं, बल्कि समझ, विश्लेषण क्षमता, रचनात्मकता और सामाजिक संवेदनशीलता बन रही है। भारत में भी यदि हमें ज्ञान-आधारित समाज का निर्माण करना है, तो हमें अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना होगा। उपस्थिति को सीखने का सहायक माध्यम माना जा सकता है, लेकिन उसे अंतिम लक्ष्य बना देना शिक्षा की आत्मा को सीमित कर देता है। इस संदर्भ में न्यायिक हस्तक्षेपों और शिक्षाविदों की चिंताओं को केवल नियमों की ढील के रूप में नहीं, बल्कि शिक्षा की परिभाषा पर पुनर्विचार के अवसर के रूप में देखना चाहिए। सवाल यह नहीं है कि छात्र कक्षा में कितने दिन बैठे, बल्कि यह है कि उसने क्या समझा, कैसे सोचा और समाज के लिए क्या दृष्टि विकसित की।

अंततः शिक्षा का उद्देश्य प्रमाणपत्र देना नहीं, बल्कि चेतना जगाना है। यदि विश्वविद्यालय केवल उपस्थिति की गिनती में उलझे रहेंगे, तो वे अनुशासित कर्मचारी तो बना सकते हैं, लेकिन जागरूक नागरिक नहीं। कक्षा की दीवारों से बाहर भी ज्ञान का संसार फैला है–जरूरत है उसे स्वीकारने की, समझने की और शिक्षा को मानवता, संवाद और स्वतंत्र चिंतन का माध्यम बनाने की।

सत्ता के बिना कोई बदलाव नहीं आने वालाः नरेश मीणा

वसुंधरा राजे और दीया कुमारी को भी सत्ता चाहिए; राजनीति में बहरूपिया बनना पड़ता है

भीम प्रज्ञा न्यूज

बूंदी । बूंदी में नरेश मीणा ने कहा- आदिवासी समाज का भला सत्ता में भागीदारी के बिना संभव नहीं है। सत्ता जरूरी है, क्योंकि राजघराने की वसुंधरा राजे और दीया कुमारी को भी सत्ता चाहिए, तो तुम सत्ता के पीछे क्यों नहीं भाग रहे। जब तक सत्ता तुम्हारे हाथ में नहीं आएगी तब तक कोई बदलाव आने वाला नहीं है, कोई परिवर्तन नहीं होने वाला है।

नरेश मीणा ने कहा- अगर तुम्हें आगे बढ़ाना है तो कितने ही नौकरी लग जाओ, कितने ही बिजनेस कर लो, जब तक सत्ता में भागीदारी नहीं होगी, तुम्हारा भला होने वाला नहीं है। सत्ता में भागीदारी नहीं है तो तुम्हारे कर्मचारियों को डर-डर के नौकरी करनी पड़ेगी। कोई बिजनेस डालेगा या क्रेशर डालेगा तो ओम बिरला, प्रमोद भैया एक फोन पर बंद करवा देंगे। कोई मीणा का बेटा पीडब्ल्यूडी का रोड बनाने का प्रयास करेगा तो अधिकारियों को फोन करेंगे कि इसका बिल पास नहीं होना चाहिए। बड़े नेताओं का फोन करने पर ही AEN, JEN आपका बिल पास करेगा। नरेश मीणा रविवार को बूंदी के नैनवां में आदिवासी मीणा सेवा संस्थान द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान एवं भामाशाह सम्मान समारोह में पहुंचे थे। इस दौरान समर्थकों ने उनको कंधों पर बैठाकर मंच तक पहुंचाया।

आदिवासी समाज को शिक्षा से वंचित रखा गया

नरेश मीणा ने कहा- प्राचीन काल में आदिवासी समाज को शिक्षा से वंचित रखा गया था, फिर भी उनके पूर्वजों ने सूझबूझ और पराक्रम से शासन किया। उन्होंने जोर दिया कि आज के लोकतंत्र में सत्ता में भागीदारी ही समाज की वास्तविक ताकत है और इसके बिना उत्थान संभव नहीं है। मीणा ने कहा- हाड़ौती में आदिवासी मीणा समाज की बड़ी संख्या होने के बावजूद पूंजीपति वर्ग के नेताओं ने उनको राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा है। ओम बिरला, शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया और प्रताप सिंह सिंघवी जैसे पूंजीपति वर्ग के नेता सीमित वोटों के बावजूद वर्षों से इस क्षेत्र पर शासन कर रहे हैं। नरेश मीणा ने हाड़ौती को इन पूंजीपतियों के राजनीतिक कब्जे से मुक्त कराने का संकल्प लिया है और जूते-चप्पल का त्याग किया। उन्होंने प्रण लिया कि जब तक ऐसे नेता विधानसभा और संसद से बाहर नहीं होंगे, वो जूते नहीं पहनेंगे।

मीणा ने दावा किया कि हाड़ौती में आदिवासी समाज के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है, उन्हें भय के माहौल में काम करना पड़ रहा है और उनके व्यवसाय भी बंद करवाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे सत्ता से दूर रहने का परिणाम बताया।

नरेश मीणा बोले- मैं कभी भाजपा में जाऊंगा

नरेश मीणा ने कहा- 8 महीने जेल में रहने और 32 मुकदमों का सामना करने के बावजूद मैंने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि मैं कभी भाजपा में नहीं जाऊंगा। उन्होंने भाजपा को आरक्षण विरोधी और दलित-आदिवासियों के हितों के खिलाफ काम करने वाली पार्टी बताया। मीणा ने अंता विधानसभा उपचुनाव में भाजपा का टिकट ठुकराने का भी जिक्र किया।

राजनीति में बहरूपिया बनना पड़ता है

नरेश मीणा ने कहा- मैंने 3 विधानसभा के चुनाव लड़े हैं। जनता के बीच जाकर जो अनुभव मिलता है, वह किताबों में नहीं मिलता। राजनीति करने के लिए हमको बहरूपिया भी बनना पड़ता है। राजनीति में सत्ता तक पहुंचने के लिए कई तरह के काम करने पड़ते हैं। सभी समाज को साथ लेकर चलना पड़ता है। जब तक तुम्हारी सत्ता में भागीदारी नहीं होगी तुम्हारा भला नहीं हो सकता है। इस दौरान उन्होंने चुनाव में साथ नहीं देने वालों को भी जमकर खरीखोटी सुनाई।

कृषक भ्रमण दल रवानाः अन्य राज्यों की खेती के नवाचारों की लेंगे जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

आत्मा योजनान्तर्गत जिले के 40 कृषकों के सात दिवसीय कृषक भ्रमण दल को (04 जनवरी 2026 से 10 जनवरी 2026 तक) शीशराम जाखड़, उप निदेशक कृषि एंव परियोजना निदेशक (आत्मा) झुन्झुनू ने हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, व उत्तर प्रदेश के लिए हरी झंडी दिखाकर आत्मा कार्यालय के सामने से रवाना किया। यह कृषक भ्रमण दल 7 दिन में चौधरी चरण सिंह कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार (हरियाणा), नेशनल डेयरी अनुसंधान संस्थान, गेंहू एवं जौ अनुसंधान संस्थान, केन्द्रीय लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल (हरियाणा), केन्द्रीय आलु अनुसंधान संस्थान शिमला (हिमाचल प्रदेश), डॉ. वाई.एस. परमार उद्यानिकी विश्वविद्यालय सोलन (हिमाचल प्रदेश), केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान देहरादून (उत्तराखण्ड), सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ (उत्तर प्रदेश) व राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती अनुसंधान संस्थान गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) का भ्रमण करेगें। उप निदेशक कृषि झुन्झुनू शीशराम जाखड़ ने बताया कि कृषक उपरोक्त विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों व प्रशिक्षण स्थलों का भ्रमण कर जोखिम प्रबन्धन, लागत में कमी, पौषण प्रबन्धन, नवाचार, उद्यानिकी फसलों का उत्पादन एवं प्रबन्धन, वर्षा जल संरक्षण, जल प्रबन्धन तकनीक, जल व मृदा संरक्षण, संतुलन उर्वरक व कीटनाशी का उपयोग उद्यानिकी की उन्नत तकनीक, प्राकृतिक व जैविक

खेती, लवणीय जल में कृषि गतिविधि, नवाचार गतिविधिया, अनुसंधान सब्जी जानकारी, पशु संवर्धन, पशुओं की उन्नत नस्लों की जानकारी, दुग्ध उत्पादन प्रबन्धन, प्रोधोगिकी प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन, मशरूम उत्पादन सहित आधुनिक कृषि की नवीनततम जानकारी प्राप्त करेगें। भ्रमण दल रवानगी के मोके पर उप परियोजना निदेशक (आत्मा) झुन्झुनू प्रमोद कुमार, प्रेम कुमार, सहायक कृषि अधिकारी, झुन्झुनू व राकेश कुमार कटेवा, कृषि पर्यवेक्षक, झुन्झुनू, विजय ढाका, तपेश कुमार, रीतेश कुमार सहित 40 कृषक उपस्थित थे। भ्रमण दल के प्रभारी प्रेम कुमार, सहायक कृषि अधिकारी, झुन्झुनू व राकेश कुमार कटेवा, कृषि पर्यवेक्षक, झुन्झुनू को नियुक्त किया गया है जो भ्रमण के दौरान कृषकों के साथ रहेगें।

अंबेडकर भवन झुंझुनूं में भामाशाहों का सम्मान

अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी ने सहयोगकर्ताओं का किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

अंबेडकर भवन झुंझुनूं में अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी की ओर से समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले भामाशाहों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व आईएफएस मांगीलाल सोनल, सजीया सोनल एवं ज्योति बालोच के भवन आगमन पर सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक महावीर सानेल ने जानकारी देते हुए बताया कि रिटायर्ड आईएफएस एम.आर. बालोच एवं ज्योति बालोच द्वारा अंबेडकर भवन के विकास कार्यों हेतु 51 हजार रुपए की आर्थिक सहयोग राशि प्रदान की गई थी। इस सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सोसाइटी द्वारा उनका सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक महावीर सानेल, तनसुख सानेल,

किरण सानेल, डॉ. महेंद्र सानेल, डॉ. रश्मि, डॉ. ममता सानेल, नरेंद्र सानेल एवं तपेंद्र सानेल ने अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अमरसिंह धीरज, मेघवंशीय समाज चेतना संस्थान के जिला संयोजक रामनिवास भूरिया, अजाक के जिला अध्यक्ष संपत बारूपाल, अंबेडकर शिक्षक संघ के इंद्राज सिंह भूरिया, प्रोफेसर जयलाल सिंह, एडवोकेट प्रताप सिंह चौहान, आवाम ग्रुप के सीताराम बास बुडाना, गुरुदयाल टांक, बसपा के बंशीधर भीमसरिया, मोहनलाल नांद, रामस्वरूप रसोड़ा, बालाराम रांगेरा, भोपाल सिंह, मदनलाल गुडेसर, ओमप्रकाश भूरिया, राजेश हरिपुरा, रोहिताश कालियासर, घीसाराम सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहें। वक्ताओं ने कहा कि समाज के लिए समर्पित भामाशाहों का सहयोग सामाजिक संस्थाओं को मजबूती प्रदान करता है और ऐसे सम्मान समारोह समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सरकारी-स्कूलों में बच्चों के बैग का वजन 50' कम होगाः

स्टूडेंट्स को दो चरणों में किताबें बांटी जाएंगी, पेरेंट्स को गाइड करेगा माय करियर एप

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में शिक्षा व्यवस्था को स्टूडेंट्स के अनुसार बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने दो अहम फैसले लिए हैं। एक ओर सरकारी स्कूलों में क्लास एक से पांचवीं तक के बच्चों के स्कूल बैग का भार कम करने की तैयारी की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर स्टूडेंट्स को सही करियर दिशा देने के लिए माय करियर एडवाइजर मोबाइल एप लॉन्च किया गया है। नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप लिए गए इन दोनों फैसलों उद्देश्य बच्चों पर शैक्षणिक बोझ कम करना, उनकी सीखने की क्षमता बढ़ाना और भविष्य को लेकर जागरूकता विकसित करना है। दरअसल, राजस्थान के सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से पांचवीं तक पढ़ने वाले बच्चों के स्कूल बैग का भार कम करने की तैयारी शुरू हो गई है। नई शिक्षा नीति के तहत सत्र 2026-27 से स्टूडेंट्स को दो चरणों में किताबें बांटी जाएंगी। इस व्यवस्था के लागू होने से बच्चों के स्कूल बैग का वजन मौजूदा स्थिति की तुलना में करीब 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा।

अगले सत्र (2027-28) में 25% किया जाएगा भार

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार सीमित संख्या में पुस्तकों के वितरण से बच्चों पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ेगा। इसका सीधा सकारात्मक असर उनके शारीरिक स्वास्थ्य और सीखने की क्षमता पर दिखाई देगा। भारी स्कूल बैग की समस्या लंबे समय से अभिभावकों और शिक्षकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी। इसे देखते हुए यह फैसला लिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया- सत्र 2027-28 से पाठ्य पुस्तकों का आवंटन तिमाही आधार पर किया जाएगा। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद विद्यार्थियों के बैग का भार और अधिक कम होकर वर्तमान के लगभग 25 प्रतिशत तक सीमित रह जाएगा। यह पहल पढ़ाई को बच्चों के लिए बोझ नहीं, बल्कि, आनंददायक अनुभव बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एप लॉन्च किया गया

इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने माय करियर एडवाइजर मोबाइल एप लॉन्च किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार यह आधुनिक और एआई आधारित एप कक्षा 9 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों और काउंसलर्स के लिए बनाया गया है। इस एप के माध्यम से स्टूडेंट एप्टीट्यूड, इंटरेस्ट और वैल्यूज टेस्ट के जरिए सेल्फ रिव्यू कर अपनी रुचि, योग्यता और कौशल के अनुसार पर्सनलाइज्ड करियर गाइडेंस प्राप्त कर सकेंगे। इसमें कॉलेज डिग्री के साथ-साथ बिना डिग्री वाले जॉब विकल्प भी शामिल किए गए हैं। माय करियर एडवाइजर एप पर 1500 से अधिक करियर विकल्पों और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा विभाग का यह फैसला राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है, जिसमें बच्चों पर अनावश्यक शैक्षणिक दबाव कम कर समग्र और बाल-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। माना जा रहा है कि इस पहल से राजस्थान के सरकारी स्कूलों में शिक्षा का माहौल और अधिक सकारात्मक और प्रभावी बनेगा।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्ट्स में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं।

बी.ए. करने के बाद इन करियर फील्ड में करें ट्राई

आटर्स स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं।

अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें।

अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

बॉस से छुट्टी मांगते वक्त इन बातों का रखें खास ध्यान

बॉस से छुट्टी मांगना आमतौर पर आसान नहीं होता है। कई बार प्लान बनाने से पहले ही सोचना होता है कि छुट्टी कैसे मिलेगी। हालांकि, कई बार छुट्टी लेने के कुछ और तरीकों को भी अपनाकर आप अपने बॉस से लंबी छुट्टी ले सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि जब आप अपने बॉस से छुट्टी मांगने जाते हैं तो आपको किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

प्री प्लान करें

छुट्टी के लिए अचानक से बोलने पर हो सकता है कि आपको छुट्टी नहीं मिले। अगर आपको छुट्टी चाहिए तो आपको अपने बॉस से पहले से बात कर लेना चाहिए। ऐसे में आपको आसानी से छुट्टी मिल सकती है। इसके अलावा, आपकी गैर-मौजूदगी में आपका काम कौन संभालने वाला है, इसके बारे में भी आपको अपने बॉस से बात कर लेना चाहिए।

बैकअप प्लान करें

लंबी छुट्टी अप्लाई करते समय आपको बैकअप का प्लान तैयार कर लेना चाहिए, ताकि आपकी गैर-मौजूदगी में किसी भी तरह की दिक्कत आती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत ना हो। बैकअप बनाने के बाद अगर आप छुट्टी के लिए अप्लाई करते हैं, तो आपको आसानी से छुट्टी मिल जाएगी।

छुट्टी का कारण

अगर आपको अचानक छुट्टी चाहिए, तो सॉलिड कारण लेकर ही बॉस के पास छुट्टी मांगने जाना चाहिए। अगर आप यह बोलेंगे कि आपको घूमने जाना है, तो हो सकता है कि आपको छुट्टी न मिल पाए। ऐसे में आपको पहले से कारण तैयार रखना होगा कि आपको अपने बॉस से क्या कहना है।

बॉस का मूड देखकर बात करें

आपको छुट्टी मांगने से पहले अपने बॉस का मूड देख लेना चाहिए। अगर आपके बॉस का मूड अच्छा है, तो आपको तुरंत छुट्टी मिल सकती है। बॉस का मूड खराब होने पर आपको छुट्टी मिलने में दिक्कत हो सकती है। ऐसे में मूड के हिसाब से ही आपको बात करना चाहिए।

अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करती है साइंस की फील्ड

साइंस के क्षेत्र में अच्छे कोर्स करने के बाद, छात्र मालामाल हो सकते हैं, जो उन्हें अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं। यहां कुछ कोर्स हैं जो छात्रों को साइंस क्षेत्र में सफलता की ओर ले जा सकते हैं। इन कोर्स के साथ-साथ, छात्रों को निरंतर अध्ययन करने का प्रैक्टिकल अनुभव भी मिल सकता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी

स्पेस टेक्नोलॉजी, विज्ञान की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत कॉस्मोलॉजी, स्टारर साइंस, एस्ट्रोफिजिक्स, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी आदि विषयों का अध्ययन किया जाता है। इस विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप स्पेस साइंटिस्ट, एस्ट्रोनॉमर, एस्ट्रोफिजिसिस्ट, मैटीरियोलॉजिस्ट, क्वालिटी एश्योरेंस स्पेशलिस्ट, रडार टेक्नीशियन, सेटेलाइट टेक्नीशियन आदि के रूप में नासा, इसरो एवं डीआरडीओ जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथमेटिक्स के साथ बारहवीं होनी चाहिए। ये प्रोग्राम पास करने के बाद आप स्पेस साइंस के बैचलर प्रोग्राम में दाखिला ले सकते हैं। इसके लिए आपको ऑल इंडिया लेवल पर आयोजित प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। स्नातक के बाद आप मास्टर्स कर सकते हैं। आप अगर इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको पीएचडी करना होगा।

कहां से करें कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- तिरुवनंतपुरम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, भुवनेश्वर।
- आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जरवेशनल साइंसेज,
- नैनीताल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बेंगलुरु।

फूड टेक्नोलॉजी

अच्छे खानपान का शौक रखने के साथ फूड प्रोडक्ट में प्रयोग होने वाले रसायनों, खाद्य पदार्थों के रखरखाव, उन्हें पैक करने के तरीकों एवं मार्केटिंग से संबंधित बातों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए फूड साइंस एवं टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग में एक बेहतरीन करियर ऑप्शन बन कर उभरा है। एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में छात्र फूड प्रोसेसिंग कंपनियों, फूड रिसर्च लेबोरेटरी, होटल, रेस्टोरेंटों, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में करियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, मैथ्स या होम साइंस के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। इसके बाद आप फूड साइंस, केमिस्ट्री या माइक्रोबायोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। बैचलर डिग्री करने के बाद फूड केमिस्ट्री, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और अन्य क्षेत्रों में एडवांस डिग्री भी कर सकते हैं। आप चाहें तो डायटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन और फूड साइंस एंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में डिप्लोमा कर सकते हैं। स्नातक के बाद परास्नातक व रिसर्च करने का विकल्प भी है।

कहां से करें कोर्स

- सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रॉप प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी
- नेशनल एग्री फूड बायो टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट
- राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कोटा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन
- नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट अन्ना यूनिवर्सिटी

मरीन इंजीनियरिंग

मरीन इंजीनियरिंग असल में इंजीनियरिंग की एक शाखा है, जिसमें जहाजों, नावों, पनडुब्बियों और अन्य जलयानों को डिजाइन किया जाता है। मरीन इंजीनियर समुद्री जहाज के सफलतापूर्वक संचालन में अहम भूमिका निभाते हैं और समुद्र एवं उसके आसपास उपयोग की जाने वाली मशीनों का डिजाइन, रखरखाव, निर्माण करते हैं। इस विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप गवर्नमेंट एवं प्राइवेट शिपिंग कंपनियों, से क्राफ्ट डिजाइनिंग एवं बिल्डिंग, इंजन प्रोडक्शन फर्म में आकर्षक जॉब हासिल कर सकते हैं। मरीन इंजीनियर के लिए भारत और विदेश में भी करियर के अवसरों की एक विस्तृत गुंजाइश है। भारतीय नौसेना के पनडुब्बी विभाग में जॉब कर सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

- साइंस बैकग्राउंड के छात्र मरीन इंजीनियरिंग या ओशेन इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक कोर्स के साथ इस करियर में दाखिल हो सकते हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बाद इस विषय में मास्टर्स कर सकते हैं।

कहां से करें कोर्स

- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- आईआईटी मद्रास
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराते हैं।

फॉरेंसिक साइंस

फॉरेंसिक साइंस आपराधिक न्याय प्रणाली का एक अहम हिस्सा है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट किसी घटना से जुड़े छोटे-छोटे सुराग के जरिये मुजरिम तक पहुंचने और उनसे संबंधित वैज्ञानिक पहलुओं को समझने के काम करते हैं। आप अगर साइंस बैकग्राउंड के छात्र हैं और जुर्म करने वाले को किसी भी हाल में सामने लाने का जुनून रखते हैं, तो फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट के लिए सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में जॉब के मौके उपलब्ध हैं। गवर्नमेंट सेक्टर में आप इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई), स्टेट पुलिस फोर्स के क्राइम सेल, गवर्नमेंट व स्टेट फॉरेंसिक लैब में काम कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट सेक्टर में प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसी में फॉरेंसिक एक्सपर्ट बन सकते हैं। आप चाहें तो फॉरेंसिक टीचर के रूप में भी करियर बना सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

साइंस स्ट्रीम से बारहवीं पास करने के बाद आप फॉरेंसिक साइंस में स्नातक कर सकते हैं। स्नातक के बाद फॉरेंसिक साइंस और क्रिमिनोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं, मास्टर करने के लिए आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, बायो केमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, बी फार्मा, बीडीएस और एप्लाइड साइंस में से किसी एक विषय के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों से स्नातक पास करना होगा। अगर आप फॉरेंसिक स्पेशलिस्ट बनना चाहते हैं, तो आपको एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करनी होगी और इसके बाद फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी में एमडी भी करना होगा।

कहां से करें कोर्स

- लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, दिल्ली
- सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, हैदराबाद
- सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, चंडीगढ़
- डॉ भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी

इन संस्थानों से आप बीएससी इन फॉरेंसिक साइंस, डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी, डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ, एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, एमएससी इन साइबर फॉरेंसिक्स एंड इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी आदि कोर्स कर सकते हैं।

नीट यूजी के लिए ऐसे करें अप्लाई

भारत में मेडिकल प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए, उम्मीदवारों को नीट के लिए परीक्षा दिशानिर्देशों का पालन करना होता है, जो कई कैटेगरी से आने वाले छात्रों के लिए अलग-अलग होती हैं। नीट में शामिल होने के लिए, उम्मीदवारों को एनटीए के तरफ से तय की गई नीट की एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरी करनी होगी। चूंकि, इस बार एनटीए ने नीट के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया बदल दी है, इसमें बिना जीव विज्ञान विषय पढ़े छात्र भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। आयोग ने नीट में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए चिकित्सा क्षेत्र के में विस्तार करने का अहम फैसला लिया है। अब, अलग से विषय के तौर पर जीव विज्ञान या जैव प्रौद्योगिकी पढ़ने वाले उम्मीदवार भी नीट की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इस तरह ऐसे छात्र डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं।

नीट यूजी के लिए स्टेप-बाय-स्टेप ऐसे करें ऑनलाइन आवेदन

- सबसे पहले, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ऑफिसियल वेबसाइट https://neet.nta.nic.in/ पर जाएं।
- अब, वेबसाइट पर "New Registration" के लिंक को सर्च करके क्लिक करें। अपनी पर्सनल जानकारी, जैसे नाम, डेट ऑफ बर्थ, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर दर्ज करें। कोशिश करें कि स्ट्रांग पासवर्ड बनाएं और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरी कर लें।
- फिर अपने रजिस्टर्ड ईमेल आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करके लॉग इन करें।
- इसके बाद "Fill Application Form" के सेक्शन में जाएं और सभी जानकारी सावधानी से भरें। आपको अपनी निजी जानकारी, एकेडमिक एलिजिबिलिटी, एग्जाम सेंटर से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। यह ध्यान रखें कि सभी जानकारी सही और सटीक हैं।
- डॉक्यूमेंट अपलोड करें, जैसे पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर, 10 वीं और 12 वीं की मार्कशीट आदि। अपलोड किए गए डॉक्युमेंट के साइज और फॉर्मेट वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों के मुताबिक होनी चाहिए।
- एप्लीकेशन फीस का ऑनलाइन पेमेंट करें। पेमेंट के लिए आपको क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- पूरी जानकारी भरने और डॉक्यूमेंट अपलोड करने के बाद, एप्लीकेशन फॉर्म को अच्छी तरह से चेक कर लें। फॉर्म में सारी जानकारी सही होने पर "Final Submit" बटन पर क्लिक करें।

जरूरी बातें

- अप्लिकेशन फॉर्म भरते समय सावधानी बरतें और किसी भी गलती से बचें, वरना अप्लिकेशन फॉर्म रिजेक्ट हो सकता है।
- एप्लीकेशन फीस का पेमेंट समय से पहले ही कर लें।
- सभी जरूरत के डॉक्यूमेंट अपलोड करें।
- एप्लीकेशन जमा करने से पहले उसकी प्रूफरीडिंग कर लें।
- अधिक जानकारी के लिए एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट से संपर्क करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- परीक्षा की तैयारी के लिए NCERT की किताबों को पढ़ें।
- पिछले सालों के क्वेश्चन पेपर का प्रैक्टिस करें।
- पेपर से पहले ऑनलाइन मॉक टेस्ट दें।

हरियाणा डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स वैलफेयर एसोसिएशन के टोहाना उपमंडल के महासचिव नियुक्त हुए एडवोकेट नेकीराम बराड़

प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा व राष्ट्रीय चैयरमेन एडवोकेट डॉ सुधीर का किया धन्यवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत रंगा । हरियाणा डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स वैलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय चैयरमेन व सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया नई दिल्ली में एडवोकेट डॉ सुधीर कुमार व हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने टोहाना के एडवोकेट नेकी राम बराड़, इन्दाछुई को हरियाणा डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स वैलफेयर एसोसिएशन की टोहाना उपमंडल शाखा का महासचिव नियुक्त किया है।

टोहाना उपमंडल के अध्यक्ष एडवोकेट कैरों ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा व बार एसोसिएशन टोहाना के चुनावों से पूर्व टोहाना की शाखा के हरियाणा डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स वैलफेयर एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारीयों की भी नियुक्ति नहीं है की जायेगी। शाखा टोहाना प्रधान एडवोकेट कैरो ने बताया कि टोहाना के सभी सदस्यों की नियुक्ति आगामी मिटींग में कर दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने 'ट्री मैन' होशियार यादव को किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने माजरीखुर्द गांव का दौरा किया।

उन्होंने वहां पर्यावरण प्रेमी और 'ट्री मैन' के नाम से विख्यात स्वर्गीय होशियार यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री ने होशियार यादव के चित्र पर पुष्पांजलि चढ़ाकर पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान को नमन किया। इस अवसर पर मंत्री भूपेंद्र यादव ने होशियार यादव के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि होशियार यादव ने अपना पूरा जीवन प्रकृति और पर्यावरण की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने हजारों पेड़ लगाकर न केवल क्षेत्र को हरा-भरा बनाया, बल्कि समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया। मंत्री ने उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया, जिनके कार्य आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा देंगे। मंत्री ने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे होशियार यादव की स्मृति में अधिक से अधिक पौधारोपण करें। उन्होंने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का भी आग्रह किया, ताकि होशियार यादव का पर्यावरण संरक्षण का सपना साकार हो सकें। इस मौके पर अलवर जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, एडवोकेट बस्तीराम यादव, भाजपा नेता इंद्र यादव, डॉ. रणजीत यादव और पी.डी. यादव सहित कई ग्रामीण मौजूद रहें।

नोबल आयुर्वेद हॉस्पिटल, झुंझुनूं में डॉ. महेश इंद्रा का दौरा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

कस्बे के नोबल आयुर्वेद हॉस्पिटल एंड पंचकर्म सेंटर, गोलाई मोड़, झुंझुनूं का राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, सीकर के एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. महेश इंद्रा ने पिलानी से आते समय दौरा किया। इस दौरान उनके साथ मनोज कुमार भी उपस्थित रहे। डॉ. इंद्रा ने हॉस्पिटल में उपलब्ध उन्नत आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली तथा पंचकर्म चिकित्सा सहित विभिन्न उपचार व्यवस्थाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। डॉ. इंद्रा ने कहा कि यह हॉस्पिटल आयुर्वेद चिकित्सा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ जनसेवा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उनके आगमन पर हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से डॉ. रामा कसवां एवं डॉ. महेश कुमार झाझड़िया ने सम्मान प्रतीक भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहें।

डॉ अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान के केंद्रीय कार्यकारिणी चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न

प्रदेशभर में आठ बूथों पर 85.25 प्रतिशत मतदान, संगठनात्मक एकता का परिचायक

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

डॉ अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान की केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को प्रदेशभर में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न हुए। केंद्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महासचिव पदों के लिए यह चुनाव जिले के कुल आठ मतदान केंद्रों पर आयोजित किए गए।वेलफेयर सोसायटी के संरक्षक महावीर सानेल एवं रामनिवास भूरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि झुंझुनूं जिले में अंबेडकर भवन के तीन बूथों सहित मंडावा, गुढ़ागौड़जी, नवलगढ़, चिड़ावा एवं खेतड़ी में मतदान केंद्र बनाए गए थे। सभी केंद्रों पर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला और कुल 85.25 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो संगठन के प्रति सदस्यों की जागरूकता और विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि यह चुनाव पूरे राजस्थान स्तर पर एक साथ संपन्न कराए गए, जिससे संगठनात्मक एकरूपता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिली। चुनाव के दौरान कहीं से भी किसी प्रकार की अव्यवस्था या विवाद की सूचना नहीं मिली, जिससे चुनाव प्रक्रिया पूर्णतः शांतिपूर्ण रही। वक्ताओं ने कहा कि डॉ अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज की प्रदेश की सबसे बड़ी और सशक्त संस्था है, जो सामाजिक न्याय, शिक्षा, अधिकार और संगठनात्मक मजबूती के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केंद्रीय कार्यकारिणी के इन चुनावों से संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। चुनाव संपन्न होने के बाद सदस्यों में उत्साह का माहौल रहा और सभी ने नवगठित नेतृत्व से समाजहित में प्रभावी कार्य करने की अपेक्षा जताई।

हवाई फायरिंग में इस्तेमाल हथियार और बोलेरो बरामद: नीमराना पुलिस ने 24 घंटे में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना थाना क्षेत्र के गांव रोडवाल में नववर्ष की शाम हुई दहशत फैलाने वाली हवाई फायरिंग का पुलिस ने मात्र 24 घंटे में सफलता पूर्वक खुलासा कर दिया। कोटपूतली-बहरोड पुलिस टीम ने हरियाणा के कुख्यात अपराधी सोनू उर्फ बाबा सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में फायरिंग में प्रयुक्त हथियार, खाली कारतूस और घटना में इस्तेमाल बोलेरो वाहन बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराना सुरेश खींची और वृत्ताधिकारी नीमराना चारुल गुप्ता

(आरपीएस) के सुपरविजन में थानाधिकारी नीमराना राजेश कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोचा। जानकारी अनुसार, विकास यादव निवासी रोडवाल ने रिपोर्ट दी थी कि 1 जनवरी की शाम गांव निवासी अंकित उर्फ शूटर अपने साथी सोनू उर्फ बाबा के साथ बोलेरो गाड़ी में तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था। ग्रामीणों द्वारा रोकने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और शिव मंदिर तथा रतन सेठ की दुकान के पास हवाई फायरिंग कर गांव में दहशत फैलाई। गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा के देवास निवासी सोनू उर्फ बाबा (30), रोडवाल निवासी अंकित (24) उर्फ शूटर और मनोज (27) उर्फ लहरी शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से फायरिंग में प्रयुक्त दो हथियार, खाली कारतूस और बोलेरो गाड़ी जब्त की। सोनू उर्फ बाबा हरियाणा और राजस्थान के कई थानों में दर्ज संगीन मामलों में वांछित रहा है, जिनमें हत्या, अपहरण, लूट और आर्म्स एक्ट के तहत कुल 14 मामले शामिल हैं। नीमराना थाने में उसके खिलाफ 6 मामले दर्ज हैं, वहीं अंकित पर दो मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर दहशत फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

विपरीत परिस्थितियों में भी पिछड़े दलितों के लिए कर दिया अपना जीवन समर्पित- जेपी गुर्जर

बड़ागांव कस्बे में सावित्री बाई फूले की जयंती मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । बड़ागांव कस्बे के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में सावित्री बाई फूले की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान पति जेपी गुर्जर ने बताया कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने पिछड़े दलितों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। पूर्व तहसीलदार मंगलचन्द सैनी ने कहा कि असामाजिक तत्व किस प्रकार उन पर कीचड़ पत्थर फेंकते थे फिर भी वे अपने लक्ष्य पर क़ायम रह कर दलितों शोषितों को शिक्षा देने का काम किया। विशिष्ठ

अतिथि बद्री प्रसाद गुर्जर व रामनिवास सिंह व कप्तान किशोरी लाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आयोजक रामजी कटारिया थे व मंच संचालन गुटाराम ने किया अध्यक्ष बुधराम ने आभार व्यक्त किया, मंचासीन पताशी देवी सहित अनेक महिलाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रहीं। इस मौके पर ताराचंद मावर सीताराम सुरेश मोतीलाल प्रहलाद रामलाल जयप्रकाश हरि सिंह नागर मल प्रकाश दैया मदन कटारिया माडू राम राधेश्याम श्योपाल पवन पूर्णमल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की चेतना महारैली 12 जनवरी को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी सयुंक्त महासंघ की ओर से 12 जनवरी को चेतना महारैली का आव्हान किया गया है। महासंघ की उपशाखा की रविवार को उपशाखा अध्यक्ष महबूब अली की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में 12 जनवरी को होने वाली चेतना महारैली को सफल बनाने का निर्णय लिया। मीटिंग में पंचायत समिति के सहायक अभियंता वीरेन्द्र सिंह, लेखाधिकारी बलबीर सिंह ढुकिया, प्रेम सिंह डोटासरा व रामावतार फगेड़िया मंचस्थ अतिथि थे।? वक्ताओं ने 12 जनवरी को चेतना महारैली में ज्यादा से ज़्यादा संख्या में कर्मचारी पहुंचे व महारैली को सफल

बनाने का आव्हान किया। मीटिंग में परमेश्वर लाल बेनीवाल, रिछपालसिंह, महेन्द्र सिंह नर्सिंग स्टाफ से नारायण गोदारा पटवारी संघ,केसरा राम, राजेन्द्र सिंह, शुभम शर्मा वीडिओ संघ, पीएचईडी से लक्ष्मी कांत , एलडीसी पंचायत से सन्दीप ढुकिया, महेश गढ़वाल, दिनेश बगड़िया, सन्दीप जांगिड़, मनोज महला शिक्षक संघ से कमल जोशी लेखासहायक संघ, आईटी संघ आदि से कर्मचारी उपस्थित रहें। मीटिंग के बाद पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

अवैध खनन के विरुद्ध झुंझुनूं में सांकेतिक धरना व ज्ञापन

धरने का सातवां दिन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी/उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । ग्राम हुकुमपुरा, बामलास, खेदड़ों की ढाणी एवं खरबासों की ढाणी में जारी अवैध खनन के विरुद्ध ग्रामीणों का शांतिपूर्ण धरना रविवार सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है। लगातार प्रशासनिक उपेक्षा और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी के विरोध में ग्रामीणों ने झुंझुनू जिला कलेक्ट्रेट पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया है। धरना स्थल से मरुसेना फाउंडेशन के एडवोकेट जयन्त मूंड ने तीखे शब्दों में कहा कि सात दिनों से संघर्ष जारी होने के बावजूद प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का उदासीन रवैया बेहद चिंताजनक और निंदनीय है। क्षेत्र में बेलगाम अवैध खनन और अंधाधुंध ब्लास्टिंग की जा रही है, जिसके भयावह दुष्परिणाम सामने आ चुके हैं कि आसपास के गांवों में सैकड़ों मकानों में दरारें, भू-जल स्तर में तेज गिरावट, पेड़-पौधों और हरियाली का विनाश, धूल-कणों से मानव स्वास्थ्य, पशुधन और कृषि पर सीधा प्रहार किया जा रहा है। एडवोकेट मूंड ने कहा कि कड़ाके की सर्दी में किसान और पर्यावरणविद् शांतिपूर्ण ढंग से बैठे हैं, फिर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं। यह प्रशासनिक असंवेदनशीलता जनहित के विरुद्ध है और पर्यावरणीय संकट को और गहरा कर रही है। यदि तत्काल रोक नहीं लगी तो हालात अपरिवर्तनीय नुकसान की ओर बढ़ेंगे। यदि अवैध खनन पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक व तीव्र किया जाएगा।कॉमरेड मूलचंद खरीटां ने आरोप लगाया कि खनन माफिया अरावली की प्रकृति को लूट रहे हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। आम आदमी को भारी आर्थिक व संरचनात्मक नुकसान झेलना पड़ रहा है– मकानों में दरारें और जीवन-यापन पर संकट इसका प्रमाण हैं। इस संघर्ष में पूर्व सरपंच दारासिंह मेघवंशी, कॉमरेड

हरिराम सीथल, सूबेदार गिरधर सिंह, सवाई सिंह, सूबेदार महादेव सिंह, लीलाधर मीणा, कैप्टन विनोद सिंह, मुकेश जांगिड़, रामजीलाल सोहु, मनोज शर्मा, संदीप शर्मा, मोनम कुमावत, अब्दुल कायमखानी, नवीन, प्रदीप यादव, इंस्पेक्टर बीरबल राम, कजोड़मल, भादर बिजारणियां, नरेश सिंह, लीलाराम, पूरन मीणा, बनवारी लाल, आनंद सिंह, लालचंद मीणा, मुकेश सोहु, सुरेश खेदड़, रघुवीर बिजारणियां, सुरेन्द्र सिंह, कैप्टन उम्मेद सिंह, पूरन कांटीवाल, अशोक शर्मा, शिमला देवी, जीवनी देवी, सिलोचना देवी, सुमन देवी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहें।

सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह के अवसर पर किया महिला कर्मचारियो का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सैनी समाज संस्था सीकर की ओर से सावित्री बाई फुले जयंती पर महिला कर्मचारियों का सम्मान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे, सावित्री बाई फुले एवँ महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। सैनी समाज संस्था,सीकर द्वारा संचालित महात्मा ज्योतिबा फुले कैरियर एकेडमी के तत्वावधान में राधाकिशनपुरा स्थित सैनी सामुदायिक भवन में देश की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कैरियर एकेडमी में कोचिंग प्राप्त छात्रों के सरकारी सेवा में चयनित होने पर तथा सैनी समाज के सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों विशेषकर महिलाओं के पदोन्नत होने पर सम्मानित किया गया। प्रारंभ में आर.के. चोबदार निदेशक ने फुले करियर एकेडमी एवं जयंती कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे मे अवगत करवाया तथा आगंतुकों का स्वागत किया । मुख्य संरक्षक गोविंदराम कटारिया ने सावित्री बाई फुले की प्रेरणादायक जीवनी पर प्रकाश डाला। महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सैनी ने प्रेरक वक्तव्य देकर युवाओं का मनोबल बढ़ाया। राजकीय ब्लड बैंक के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. महावीर प्रसाद सैनी ने मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया, राजकुमार दैया अध्यक्ष सैनी समाज संस्था सीकर ने अकादमी के संचालन में सभी के सहयोग लिए धन्यवाद व्यक्त किया, राजेश सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस एवं जयप्रकाश सैनी प्रदेशाध्यक्ष, फुले ब्रिगेड ने भी अपने विचार रखें। जबकि सतीश सैनी संयोजक महात्मा ज्योतिबा फुले करियर एकेडमी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम में संत दयालदास महाराज खाकी अखाडा, मदनलाल हलवाई, मांगीलाल इन्दोरिया, मदनलाल सैनी, घीसालाल सैनी संरक्षक, हरिराम सैनी, रामावतार सिंगोदिया, मदनलाल आढतिया, परमानंद सैनी उपाध्यक्ष, बिहारी सैनी कोषाध्यक्ष, गणपत राम सैनी सचिव, विष्णु सिंगोदिया

अध्यक्ष, सैनी जागृति संस्था, संपत सैनी उपाध्यक्ष, सैनी कर्मचारी अधिकारी सेवा संस्था, सीकर, सुरेश सैनी कटारिया भाजपा नेता, मंगलचंद सैनी समर्थपुरा, संत कुमार, नानूराम सैनी,नौरंगलाल सैनी सदस्य, रवि शंकर सैनी पूर्व अध्यक्ष कर्मचारी अधिकारी संस्था, सोहनलाल सैनी हल्कारा, रामचंद्र सैनी बिजली बोर्ड, कानाराम सैनी, शंकर भारती, सांवरमल सैनी, वैद्य रिछपाल सैनी, गोपाल सिंगोदिया भाजपा नेता, मोहनलाल, मुकेश खड़ोलिया, पूरण सैनी हलवाई, रामनिवास सैनी, धुड़मल सैनी, मुकेश सैनी आशीर्वाद, घीसालाल भिराना, सत्यभामा सैनी, सीताराम सैनी, सुशील रेटा, भगवाना राम सैनी, महावीर सैनी, नेमीचंद सैनी, मोहनलाल सैनी, छोगाराम सैनी, संजय सैनी पार्षद, विजय सैनी, लालचंद सैनी, शंकर सैनी, मुकेश सैनी हर्ष सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। संचालन आर.के. चोबदार, निदेशक एवं डॉ. ओ.पी. सैनी, सचिव, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान ने किया। समारोह के पश्चात् पौष बड़ा प्रसाद का भी आयोजन किया गया।

नरहड़ में किसान आंदोलन के अग्रदूत गणपतराम बगरानिया की 52वीं पुण्यतिथि पर किसान सम्मेलन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

किसान आंदोलन के अग्रणी नेता गणपतराम बगरानिया की 52वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नरहड़ में श्री गणपतराम बगरानिया स्मृति संस्थान के बैनर तले किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता निहाल सिंह (पूर्व प्रधान) ने की, जबकि मुख्य अतिथि पितराम सिंह काला (विधायक, पिलानी) रहे।सम्मेलन की शुरुआत गणपतराम बगरानिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में निहाल सिंह ने बगरानिया के जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शेखावाटी किसान आंदोलन के दौर में उन्होंने किसानों में जनजागृति फैलाकर उनके अधिकारों के प्रति सचेत किया। शिक्षा और मानवाधिकारों के लिए संघर्ष के कारण जयपुर सरकार ने उन्हें सन् 1923 में देशनिकाला की सजा दी। उन्होंने चिड़ावा में सशस्त्र क्रांति हेतु हथियारों का जखीरा भी एकत्र किया तथा किसानों की मांगों को लेकर तत्कालीन जयपुर स्टेट के प्रधानमंत्री सर मिर्जा इस्माइल खान से मिलकर राहत दिलवाई। संस्थान के रामसिंह बगरानिया ने बताया कि रियासती काल में अंग्रेजी सरकार द्वारा मीणा जाति पर लागू जरायमपेशा एक्ट के विरुद्ध जयपुर राज्य मीणा सुधार समिति का गठन कर बगरानिया ने आंदोलन चलाया। इसके परिणामस्वरूप एक्ट समाप्त हुआ और मीणा जाति को आरक्षण सूची में दर्ज कराया गया। उन्होंने ग्रामीणों की ओर से मांग रखी कि जिला मुख्यालय पर गणपतराम बगरानिया की

प्रतिमा स्थापित की जाए तथा उनकी जीवनी को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। इस संबंध में विधायक पितराम सिंह काला को ज्ञापन भी सौंपा गया।

मुख्य अतिथि विधायक पितराम सिंह काला ने आश्वस्त किया कि वे जिला मुख्यालय पर प्रतिमा स्थापना और स्कूली पाठ्यक्रम में जीवनी शामिल कराने के लिए संबंधित मंत्रियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पिलानी विधानसभा क्षेत्र में कुंभाराम लिफ्ट का पानी शीघ्र ही जनता को मिलेगा। सम्मेलन में इंद्राजसिंह मूर्तिकार ने लालचौक में यमुना जल समझौते को लेकर 734 दिनों से चल रहे धरने के समर्थन का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर आंदोलन को तेज करने हेतु समर्थन देने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में पूर्व एसपी अम्मीलाल धायल, दरगाह कमेटी चेयरमैन खलील बुढ़ाना, सचिव करीम पीरजी, शिक्षाविद राजेश धायल, पूर्व उपसरपंच महेंद्रसिंह कठानिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पूर्व सैनिक, किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहें।

पूर्व सैनिकों ने सूबेदार शेखावत का किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सूबेदार शिवपाल सिंह शेखावत ग्राम रोरु बड़ी भारतीय सेना में 30 वर्षों की उत्कृष्ट, अनुकरणीय एवं गौरवपूर्ण सेवा पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत्त होकर लक्ष्मणगढ़ पहुंचने पर पूर्व सैनिकों ने स्वागत किया। पूर्व सैनिक वेल्फेयर समिति के अध्यक्ष सूबेदार रणजीत सिंह गढ़वाल की अगुवाई में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में शेखावत का माल्यार्पण कर शाफा पहनाकर सम्मानित किया गया।समारोह के दौरान सूबेदार मेजर घीसाराम ख्यालिया, सूबेदार दान सिंह, कैप्टेन भागीरथ सिंह, सूबेदार महिपाल सिंह, सूबेदार प्यारेलाल , सूबेदार जगेंद्र सिंह, हवलदार सादुल खान जाजोद, हवलदार संसार सिंह, सूबेदार जमालुदीन, सूबेदार भागीरथ मुंड सरपंच, लेफ्टिनेंट शमशेर अली, सूबेदार सावरमल ढाका, सूबेदार गोपाल सिंह बुडानिया, कैप्टन मदन सिंह,हवलदार सुरेन्द्र सिंह ढाका, कैप्टेन गोरधन सिंह भूरिया, सूबेदार सुरेन्द्र सिंह, सूबेदार छत्तर खान, सूबेदार मेजर रामनिवास , हवलदार महेंद्र सिंह, सूबेदार मदन सिंह, सूबेदार गोपाल सिंह, हवलदार श्रीराम ढाका, हवलदार फूलचंद, सूबेदार समंदर सिंह, हवलदार हरदयाल सिंह, सूबेदार रविन्द्र सिंह, सूबेदार कल्याण सिंह, कैप्टेन शिवराम सिंह ख्यालिया सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद थे।कैप्टन शिवराम सिंह ख्यालिया ने बताया कि 'पूर्व सैनिक वेल्फेयर समिति सदैव राष्ट्रसेवा से जुड़े वीरों के सम्मान में अग्रणी रही है और आगे भी इस परंपरा को जीवंत रखेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतिम दिन समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ आनंद शर्मा व घनश्याम वर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर की गई। कार्यक्रम अधिकारी डॉ आनंद शर्मा द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सभी को इस दौरान आयोजित हुई विभिन्न गतिविधियों जैसे श्रमदान, प्रभात फेरी, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, व्याख्यान माला के विभिन्न विषयों, विभिन्न प्रतियोगिताओं, भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हाल ही में इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम दिल्ली में महाविद्यालय के सात स्वंयसेवको का भाग लेना महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए अपने आप में एक मिसाल है। कार्यक्रम के दौरान स्वंयसेवको द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये तथा स्वंयसेवको द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर से सम्बंधित अपने अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम का संचालन स्वंयसेविका खुशी ने किया। इससे पूर्व छठे दिन स्वयंसेवकों को भानगढ अलवर तथा आमेर का किला जयपुर का भ्रमण करवाया गया था जिसमें स्वंयसेवको को इनके इतिहास व सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराया गया।

पूर्व सैनिक वेल्फेयर समिति ने सूबेदार मुरारीलाल गोदारा का किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

भारतीय सेना में 30 वर्षों की उत्कृष्ट, अनुकरणीय व गौरवपूर्ण सेवा करने वाले सूबेदार मुरारीलाल गोदारा के सेवानिवृत्त होकर अपने पैतृक पर ग्राम डोटासर आगमन पर पूर्व सैनिक वेल्फेयर समिति के अध्यक्ष सूबेदार रणजीत सिंह गढ़वाल के नेतृत्व में माल्यार्पण कर व शाफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति के सूबेदार मेजर घीसाराम ख्यालिया, सूबेदार दान सिंह, कैप्टेन भागीरथ सिंह,सूबेदार महिपाल सिंह, सूबेदार प्यारेलाल, सूबेदार जगेंद्र सिंह, हवलदार सादुल खान जाजोद, हवलदार संसार सिंह, सूबेदार जमालुदीन, सूबेदार भागीरथ मुंड सरपंच, लेफ्टिनेंट शमशेर अली, सूबेदार सावरमल ढाका, सूबेदार गोपाल सिंह बुडानिया, कैप्टन मदन सिंह, हवलदार सुरेन्द्र सिंह ढाका, कैप्टेन गोरधन सिंह भूरिया,सूबेदार छत्तर खान, सूबेदार मेजर रामनिवास, हवलदार महेंद्र सिंह, हवलदार श्रीराम ढाका, हवलदार फूलचंद, कैप्टेन शिवराम सिंह ख्यालिया आदि मौजूद थे।कैप्टन शिवराम सिंह ख्यालिया ने बताया कि 'पूर्व सैनिक वेल्फेयर समिति लक्ष्मणगढ़' सदैव राष्ट्रसेवा से जुड़े वीरों के सम्मान में अग्रणी रही है और आगे भी इस परंपरा को जीवंत रखेगी।

बुहाना में स्वदेशी मेले के पोस्टर का हुआ विमोचन, 16 से 26 जनवरी तक लगेगा मेला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुहाना में रविवार को स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित किए जा रहे स्वदेशी मेले के पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक भरत बोहरा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि स्वदेशी मेले का मुख्य आयोजन नगरपालिका सूरजगढ़ द्वारा किया जाएगा। यह मेला 16 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित होगा। मेले का उद्देश्य स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना तथा आमजन में स्वदेशी भाव का जागरण करना है।वक्ताओं ने कहा कि स्वदेशी मेला स्थानीय कारीगरों, लघु उद्योगों और स्वदेशी उत्पाद निर्माताओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। इसके माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के झुंझुनूं विभाग सह संयोजक ब्रह्मदत्त मीणा, मेला प्रमुख विक्रम सिंह राठौड़, पूर्व उपप्रधान राजपाल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल नाड़ीया, मंडल महामंत्री राजेश रांगे, भंवर सिंह लंबरदार, पार्षद भूपेंद्र सिंह, कर्मवीर मास्टर सहित कार्यकर्ता, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्वदेशी मेले को सफल बनाने का संकल्प लिया।

महंत श्री चंद्रनाथ जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर झुंझुनू में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

रविवार को झुंझुनू स्थित डॉ अंबेडकर पार्क में महंत चंद्रनाथ महाराज के ब्रह्मलीन होने पर अंबेडकर स्मृति संस्थान झुंझुनूं द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में वक्ताओं ने महंत चंद्रनाथ महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने सामान्य व्यक्ति से महंत बनने तक का प्रेरणादायक सफर तय किया। वक्ताओं ने योगा आश्रम बगड़ के विकास और स्थापना में उनके योगदान को रेखांकित किया तथा समाज सुधार के क्षेत्र में उनके कार्यों को सराहा। विशेष रूप से समाज में शराब एवं मांस सेवन रोकने के लिए चलाए गए अभियानों को उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया। श्रद्धांजलि सभा में मांगीलाल मंगल, डॉ. जगदीश प्रसाद बरवड़, बद्री प्रसाद, मोतीलाल आलडिया आचार्य, विनोद कुमार लोहिया (प्रधानाचार्य), बनवारी लाल माहीच, डॉ. संतकुमार, विकास आल्हा, सतवीर बरवड़, रामप्रताप बरवड़, चंदगीराम आलडिया, श्रीराम, महेश कुमार, धर्मपाल तुनवाल, दिलीप सिंह भूरिया, मधु खन्ना, अशोक कुमार मंडाड, जगजीत सिंह कांटीवाल, बल्लाराम, बड़दीचंद, कमांडेंट, बजरंग प्रसाद खापरवाल, मदनलाल प्रेमी, अनुभव बरवड़, प्रकाश, अर्जुन, रणधीर सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने महंत श्री चंद्रनाथ महाराज के आदर्शों पर चलने और उनके समाजसेवी कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

खेल से अनुशासन, अनुशासन से चरित्र निर्माण; देवलावास में नवयुवक मंडल की क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पचेरी।

जय बाबा हीरानाथ खेल मैदान, देवलावास में नवयुवक मंडल के तत्वावधान में आयोजित खेल प्रतियोगिता के पांचवें दिन रविवार को फाइनल क्रिकेट मुकाबले एवं प्रतिभागी सम्मान समारोह के साथ प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में नोबल एजुकेशन ग्रुप के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के वरिष्ठ नागरिक रामकुमार नेहरा ने की। समापन अवसर पर मैदान खेल भावना, अनुशासन और उत्साह से सराबोर नजर आया। प्रतियोगिता के दौरान गांव के युवाओं और बच्चों में अनुशासन, टीम भावना और खेल के प्रति समर्पण काबिले-तारीफ रहा, जिसने ग्रामीण खेल संस्कृति को एक नई ऊर्जा दी। मुख्य अतिथि इंजीनियर संदीप नेहरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम है। खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। जो युवा मैदान में नियमों का पालन करना सीखता है, वही आगे चलकर जीवन में भी सफल नागरिक बनता है।

समर्पण संस्था द्वारा 'उत्कृष्ट जीवन' पर व्याख्यान व मीटिंग आयोजित

जीवन प्रबन्धन से ही उत्कृष्ट जीवन का निर्माण सम्भव: आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या

वर्ष 2026 में होने वाले 10 कार्यक्रमों का तिथिवार कैलेंडर जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । 'जीवन प्रबंधन से ही उत्कृष्ट जीवन का निर्माण सम्भव है। आधुनिक समय में उत्कृष्ट जीवन स्वास्थ्य, ध्यान, गहरा काम, सार्थक रिश्ते व निरंतर सीखने में समाहित है। उक्त विचार समर्पण संस्था द्वारा नववर्ष पर राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान दुर्गापुरा के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित '21वीं सदी में उत्कृष्ट जीवन जीने की कला' विषयक व्याख्यान व मीटिंग में मुख्य वक्ता संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने व्यक्त किए। डॉ. माल्या ने पीपीटी प्रजेंटेशन द्वारा उत्कृष्ट जीवन की व्याख्या करते हुए कहा कि 'वर्तमान समय में उत्कृष्ट जीवन के 6 मुख्य स्तम्भ हैं जिनमें पहला गहन एकाग्रता, दूसरा शारीरिक जीवन शक्ति, तीसरा भावनात्मक महारत, चौथा निरन्तर सीखना, पांचवां व्यक्तित्व ब्रांड और नेटवर्क की समझ, छठा जीवन का उद्देश्य व समाज के कल्याण में भागीदारी है। उन्होंने कहा कि 'जीवन मालवाहक ट्रक की तरह है यह हमें तय करना है कि इसमें कोयले भरते हैं या हीरे भरते है।' प्रकृति के अपने शाश्वत नियम है और हमारा जीवन भी प्रकृति का हिस्सा है। हम पूरी तरह परफ़ेक्ट है कोई और अलग से ज्ञान की जरूरत नहीं है। इस समझ से ही जीवन की समस्याओं से मुक्ति मिल जाती है। इससे पूर्व व्याख्यान व मीटिंग की शुरुआत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे सुश्री सुवज्ञा माल्या व सुश्री आरती कुमावत के ने उच्चारित करवाया। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद राम कुमार वर्मा ने कहा कि 'अनुशासित जीवन उत्कृष्टता की राह बनाता है। समाज कल्याण के लिए योगदान से जीवन उत्कृष्ट बनता है।' मीटिंग में वर्ष 2026 में संस्था द्वारा आयोजित किये जाने वाले वाले 10 कार्यक्रमों का तिथिवार कैलेंडर जारी किया गया जिसका विमोचन अतिथिगणो द्वारा किया गया। गीतकार रमेश बैरवा ने जीवन को नई दिशा देने वाला गीत प्रस्तुत किया। विशेष आमंत्रित अतिथि योगाचार्य मनीष विजयवर्गीय ने स्वस्थ तन व मन के लिए योग को जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पूर्व जिला न्यायाधीश व स्थाई लोक अदालत चूरू की अध्यक्ष इन्दु पारीक ने कहा कि 'प्रतिदिन किसी न किसी व्यक्ति की किसी भी माध्यम से ज़रूर सेवा करें।' संस्था द्वारा व्याख्यान में उपस्थित सभी श्रोताओं को प्रमाण पत्र भी भेंट किए गये। मंच संचालन ऑल इंडिया रेडियो एंकर शिवाली गुप्ता ने किया। इस दौरान अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया।

झुंझुनूं जिले से ममता गर्वा बनी भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सावित्री बाई फुले जयंती के अवसर पर जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में झुंझुनूं जिले की सामाजिक कार्यकर्ता ममता गर्वा को फातिमा शेख अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट हेमलता कंसोटिया की सहमति से ममता गर्वा को भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ, झुंझुनूं की जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। यह जानकारी भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष मंडावा अजय वर्मा नुआ ने दी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ममता गर्वा ने कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगी। उन्होंने बताया कि जिले में संगठन को मजबूत करना, बहुजन, शोषित और पीड़ित वर्गों की आवाज को बुलंद करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। ममता गर्वा ने कहा कि महिलाओं पर होने वाले अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संविधान के दायरे में रहकर न्याय की लड़ाई लड़ी जाएगी। बहुजन समाज के महापुरुषों के आदर्शों और विचारों पर चलते हुए जिले में बहुजनों पर होने वाले अत्याचारों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि शीघ्र ही जिले में संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जिसमें महिला और युवा साथियों को जोड़कर एक मजबूत टीम तैयार की जाएगी। उल्लेखनीय है कि ममता गर्वा पूर्व में भीम आर्मी कर इंडिया और समता न्याय केंद्र चूरू जैसे संगठनों से जुड़कर सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं। उनके सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।ममता गर्वा के जिलाध्यक्ष बनने पर बहुजन समाज के सदस्यों ने माला पहनाकर स्वागत किया तथा वरिष्ठजनों ने मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मौजास सरपंच मुकेश झाझडिया, भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष मंडावा अजय वर्मा नुआ, दिव्या वाल्मीकि (चूरू जिलाध्यक्ष), सुदर्शन महरिया, साजिद भाटी (उपाध्यक्ष, मंडावा), अरविंद गर्वा (इस्लामपुर), मनीषा मौर्य (मंडावा), पिंकी नुआ, सामाजिक कार्यकर्ता अमित मीणा, लक्ष्मी नरहड़, नीलम वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

भूना पुलिस की बड़ी कार्रवाई - अवैध तेल परिवहन का पर्दाफाश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/भूना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना भूना पुलिस ने उकलाना रोड पर संदिग्ध पिकअप गाड़ी में अवैध रूप से तेल भरे जाने का मामला उजागर किया। थाना भूना के प्रभारी उप-निरीक्षक औमप्रकाश ने बताया कि एसआई औमप्रकाश, एएसआई अजीत सिंह और टीम को सूचना मिली कि पिकअप महिंद्रा, HR61C-9673 गाड़ी एक दुकान के पीछे संदिग्ध स्थिति में खड़ी है।

मौके पर पहुंचकर जांच की गई, जिसमें 11 प्लास्टिक ड्रम (नीला रंग) और 4 कैनी तेल पदार्थ से भरे हुए पाए गए। खाद्य एवं उपभोक्ता मामले के निरीक्षक आशीष कुमार भी मौके पर पहुंचे और तेल के 15 नमूने तैयार कर पुलिस की मोहर के साथ कब्जा लिया। कुल तेल की मात्रा लगभग 2500-2600 लीटर थी। गाड़ी में कोई वैध बिल या परमिट नहीं मिला। इस कार्रवाई में सुरेन्द्र उर्फ छीनियां पुत्र भगवान निवासी भुना को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को बाद में पूछताछ के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। मामले में मुकदमा 374/2025, धारा 318(4), 61(2) BNS एवं 7-10-55 EC Act के तहत दर्ज किया गया है। जांच जारी है और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

सिंघाना में नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न: सावित्रीबाई फुले जयंती पर श्रद्धांजलि, निकाय चुनाव की रणनीति पर मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

नगर कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कांग्रेस कार्यालय, सिंघाना में किया गया। बैठक का आयोजन माँ सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर किया गया, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जयंती मनाई एवं उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर भी सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सामाजिक न्याय, समानता एवं शिक्षा के क्षेत्र में दोनों महान विभूतियों के योगदान को स्मरण किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले और डॉ. आंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और कांग्रेस पार्टी सदैव उनके सिद्धांतों पर चलते हुए वंचित एवं पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है। बैठक में आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा जनसमस्याओं को प्रमुख मुद्दा बनाकर जनता के बीच जाने की रणनीति पर सहमति जताई। कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक मजबूती, आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ चुनावी मैदान में उतरने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष पवन अग्रवाल ने किया। मंडल अध्यक्ष बाबुलाल कालोडिया ने सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक में नगर अध्यक्ष डीपी सैनी, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कालोडीया, ब्लॉक उपाध्यक्ष पवन अग्रवाल, ब्लॉक सचिव नरेंद्र शर्मा दीनदयाल ज़ैदिया, नगर उपाध्यक्ष लकी शर्मा, इकबाल खान, पिंटू भार्गव, नगर महासचिव राजेश मीणा रवि मीणा, सचिव सत्यवीर गजराज, ब्लॉक संगठन मंत्री रविंद्र रॉकी, कार्यकारिणी सदस्य महेश सैनी, ओम प्रकाश, राजू गराटी विक्रम सिंह, हवा सिंह, मीणा समाज अध्यक्ष सुभाष मीणा, महिपाल मीणा, भूपेंद्र सैनी, राहुल सैनी, मनदीप, सुनील सैनी, नरेश सैनी आदि उपस्थित रहें।

नवलगढ़ में सावित्रीबाई फुले की 196वीं जयंती मनाई गई, मूलनिवासी बहुजन कैलेंडर 2026 का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

डॉ भीमराव अंबेडकर चैरिटेबल ट्रस्ट नवलगढ़ द्वारा शनिवार को नवलगढ़ स्थित जोखीराम का कुआं के पास रविंद्र पब्लिक स्कूल में देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की 196वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इसी अवसर पर मूलनिवासी बहुजन कैलेंडर 2026 (12वां संस्करण) का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ सीबीईओ आत्माराम रहे। विशिष्ट अतिथियों में देहदानी मंगतू राम खत्री, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दीपचंद पवार, गोवर्धन निठारवाल, डॉ. रामचंद्र (पूर्व बीसीएमओ), सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश सेन, भोलाराम जागृत, प्रधानाचार्य श्रीमती अनीता सुनिया, ट्रस्ट अध्यक्ष एवं देहदानी चौथमल सोंकरिया, देहदानी प्रेमलता सोंकरिया, प्रभु दयाल जागृत, मंगली देवी, बसपा नेता गुलाम नबी आजाद सहित अनेक शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। पूर्व अध्यक्ष रामनाथ सिंह सुरेला ने ट्रस्ट का परिचय देते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के जीवन, नारी शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए किए गए संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया। भीम आर्मी से जुड़े वक्ता नरसिंह राव गुजराती ने युवाओं से सामाजिक कुरीतियों को छोड़कर जागरूकता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पाँच देहदानी व्यक्तियों का सम्मान किया गया। साथ ही नेशनल वॉलीबॉल एवं सॉफ्टबॉल खिलाड़ी आयुषी नारवरा, समाज सेवा में योगदान देने वाले अमरचंद पेंटर तथा गरीबों के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता देने वाले दंपति एडवोकेट धर्मपाल बंसीवाल एवं श्रीमती सरोज बंसीवाल को प्रमाण पत्र, भीम डायरी एवं पंचशील पट्टा प्रदान कर सम्मानित किया गया।सभी उपस्थित जनों को मूलनिवासी बहुजन कैलेंडर 2026 वितरित किया गया, जिससे बहुजन महापुरुषों की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाया जा सके। कार्यक्रम का संचालन रामावतार सबलानिया (स्काउट मास्टर ट्रेनर) ने किया, जबकि अंत में ट्रस्ट अध्यक्ष चौथमल सोंकरिया ने सभी अतिथियों व उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

शीथल में मीणा समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बड़ागांव।

सुमेर मीणा । शीथल गांव में रविवार को मीणा समाज में की तीन प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, पूर्व जिला अध्यक्ष मास्टर बनवारीलाल मीणा ,जनजाति कांग्रेस प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रतन मीणा जोधपुरा, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष रामचन्द्र मीणा सीथल, सुरेन्द्र सिंह भोजासर, कार्यवाहक अध्यक्ष होशियार सिंह मीणा के नेतृत्व में किए गए अभिनंदन समारोह में हाल ही में एग्रीकल्चर अधिकारी पोस्ट पर चयनित हुए अजय कुमार मीणा का सम्मान किया गया एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की स्कार्ट में सेवाएं देने वाले बाबूलाल मीणा का भी अभिनंदन किया गया है किशोरपुरा ने कहा कि समाज की ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान करने से अन्य लोगों को भी मोटिवेशन मिलता है इस अवसर पर ओम मीणा हसांसरी,भागिरथ मीणा वाहिदपुरा, एडवोकेट धर्मवीर मीणा झुंझुनूं, संदीप कुमार मीणा चनाना, रोहित मीणा, हरीश मीणा, नरेश कुमार मीणा,जुगल किशोर मीणा सहित कई वरिष्ठ लोग शामिल थे।

कुहाड़वास में मनाया शहीद जलदीप का शहादत दिवस, श्रद्धांजलि देकर खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

उपखंड के कुहाड़वास गांव के खेल मैदान में रविवार को शहीद जलदीप का शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आशीष श्योराण थे, जबकि अध्यक्षता मोहिनी देवी ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देकर नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आशीष श्योराण ने कहा कि झुंझुनूं जिले को वीरों की भूमि के नाम से जाना जाता है, यहां बच्चों को बचपन से देश सेवा के लिए प्रेरित किया जाता है। बच्चों को शिक्षित करना और उनमें देशभक्ति,

अनुशासन व जिम्मेदारी की भावना विकसित करना ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है। शहीद जलदीप का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में देश के प्रति सम्मान, खेल भावना और सामाजिक दायित्व की समझ विकसित होती

है। शहीद जलदीप 30 दिसंबर 2004 को पिथौरागढ़ में सेना का वाहन खाई में गिरने से वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनकी शहादत की स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने के उद्देश्य से जलदीप स्कूल द्वारा शिक्षा के माध्यम से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण का संकल्प लिया गया है, ताकि शहीद का नाम सदैव समाज में प्रेरणा का स्रोत बना रहे। इस दौरान 14 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 19 पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिला मटका दौड़ और बुजुर्गों की दौड़ का भी आयोजन किया गया, जिसमें अनेक लोगों ने भागीदारी निभाई। इस मौके पर अजय श्योराण, सुनील भगासरा, धर्मेन्द्र, नीतू सिंह सहित अनेक लोग मौजूद थे।

नाबालिग बच्ची अपहरण मामला: न्याय की मांग को लेकर आज से आमरण अनशन

106 दिन बाद भी सुराग नहीं, पीड़ित परिवार करेगा कलेक्ट्रेट पर आंदोलन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

पुलिस थाना गोठड़ा, नवलगढ़ क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के अपहरण का मामला दर्ज हुए 106 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। न्याय की आस लगाए पीड़ित परिवार ने अब आंदोलन का रास्ता अपनाया है। पीड़िता कमला देवी ने अपने परिवार एवं समाज के लोगों के साथ सोमवार, 5 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे से झुंझुनूं जिला कलेक्ट्रेट के सामने दिन-रात आमरण अनशन पर बैठने की घोषणा की है। यह अनशन तब तक जारी रहेगा, जब तक उसकी नाबालिग पुत्री का कोई पता नहीं लगाया जाता। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस संबंध में पुलिस थाना गोठड़ा नवलगढ़ में दिनांक 19 सितंबर 2025 को मुकदमा नामजद आरोपियों के विरुद्ध दर्ज किया गया था, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी बच्ची की बरामदगी नहीं हो सकी है। सारी धाम के कैलाश दास महाराज ने बताया कि पीड़िता और उसके पति ने 29 दिसंबर 2025 को झुंझुनूं के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर परिवाद प्रस्तुत किया था। उस समय पुलिस प्रशासन को सोमवार तक का समय दिया गया था, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। पीड़ित परिवार ने सर्व समाज एवं झुंझुनूं जिले के समस्त सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे सोमवार को सुबह 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर आंदोलन में सहभागी बनें और नाबालिग बच्ची की सुरक्षित बरामदगी तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को मजबूती प्रदान करें। पीड़ित परिवार का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई तो यह आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है।

जिला फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन आइपीएस ने जनता को किया आगाह

साइबर ठगों की नई चाल: अब बिना लिंक क्लिक किए, सिर्फ ब्लूटूथ से खाली होगा आपका खाता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और इससे बचाव के लिए हर व्यक्ति को सतर्क रहने की आवश्यकता है। खासतौर पर मोबाइल और बैंकिंग डिवाइस पर सुरक्षा का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हाल ही में साइबर अपराधियों ने ब्लूटूथ का इस्तेमाल कर लोगों के बैंकिंग और व्यक्तिगत डेटा चोरी करने के नए तरीके खोजे हैं। ऐसे में मोबाइल का ब्लूटूथ हमेशा चालू (ऑन) रखना खतरनाक साबित हो सकता है।पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि ब्लूटूथ ऑन होने की स्थिति में साइबर अपराधी आपके फोन को स्कैन कर सकते हैं और अनजान डिवाइस से पेयरिंग रिक्वेस्ट भेज सकते हैं। यदि गलती से कोई व्यक्ति यह रिक्वेस्ट स्वीकार कर लेता है, तो अपराधी आपके

बैंकिंग डिटेल्स, पासवर्ड, कार्ड नंबर और अन्य निजी जानकारियां चुरा सकते हैं। इस प्रकार का अपराध 'ब्लूजैकिंग' के नाम से जाना जाता है, जिसमें साइबर अपराधी सिर्फ ब्लूटूथ कनेक्शन के माध्यम से आपकी वित्तीय और निजी सुरक्षा पर हमला कर सकते हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने आमजन से कहा कि सुरक्षित रहने के लिए कुछ सरल सावधानियां अपनाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि मोबाइल का ब्लूटूथ केवल तभी ऑन रखें जब वास्तव में जरूरत हो। अनजान या अपरिचित डिवाइस से कभी भी पेयरिंग न करें और ब्लूटूथ को हमेशा नॉन-डिस्कवरेबल मोड में रखें, ताकि कोई भी आपके फोन को आसानी से ढूँढ न सके। सार्वजनिक स्थानों जैसे बस, स्टेशन, मार्केट आदि पर ब्लूटूथ ऑन रखना विशेष रूप से जोखिम भरा है, क्योंकि वहां साइबर अपराधी आसानी से स्कैन कर सकते हैं।

साइबर अपराध से बचाव के लिए एस.पी. ने यह भी निर्देश दिए कि यदि कोई संदिग्ध या अनजान डिवाइस पेयर करने की कोशिश करे, तो तुरंत उसे अस्वीकार कर दें और संबंधित पुलिस थाना को सूचित करें। उन्होंने कहा कि अपने मोबाइल और बैंकिंग डाटा की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की अपनी जिम्मेदारी है। सतर्कता, जागरूकता और तकनीकी सावधानी से ही हम इस तरह के अपराधों से बच सकते हैं। पुलिस अधीक्षक जैन ने अंतिम रूप में सभी नागरिकों से अपील की कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अनजान या संदिग्ध डिवाइस से कनेक्ट न हों और अपने मोबाइल की सुरक्षा हमेशा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जागरूक और सतर्क रहकर ही हम अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रख सकते हैं। सुरक्षित रहें, सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें। इस एडवाइजरी का उद्देश्य आम नागरिकों को ब्लूटूथ और मोबाइल आधारित साइबर अपराधों से बचाना है। पुलिस विभाग लगातार ऐसी साइबर गतिविधियों पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर कठोर कार्रवाई करने के लिए तैयार है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा को गंभीरता से लें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें।

हिसार, मंडी आदमपुर व आर्य नगर में कार्यकर्ताओं ने विधायक चंद्रप्रकाश का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

आर्य नगर में 36 बिरादरी ने लड्डुओं से तौलकर मनाया चंद्रप्रकाश का जन्मदिन, गांव में बंटे लड्डू

36 बिरादरी के सहयोग व कार्यकर्ताओं के उत्साह ने किया अभिभूत : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/मंडी आदमपुर।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने विधायक चंद्रप्रकाश का जन्मदिन पूरे उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया। विभिन्न स्थानों पर चंद्रप्रकाश से केक कटवाकर हलकावासियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की। समर्थकों ने फूल मालाएं पहनाकर और पुष्प गुच्छ व गुलाब के फूल भेंट करके एवं लड्डुओं से तौलकर चंद्रप्रकाश की दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। हिसार स्थित विश्वकर्मा कॉलोनी, मंडी आदमपुर व आर्य नगर में विधायक चंद्रप्रकाश से विशाल केक कटवाकर समर्थकों ने खुशी का इजहार किया। इसके साथ ही चंद्रप्रकाश ने मंडी आदमपुर की श्रीकृष्ण गोशाला में पहुंचकर गायों के लिए विशाल केक काटा और गोसवा में हिस्सा लिया। मंडी आदमपुर के ही श्री गुरुद्वारा साहिब में चल रहे अखंड पाठ साहिब के भोग में भी उन्होंने पूरी निष्ठा से शिरकत की। आर्य नगर में पहुंचने पर ग्रामवासियों ने फूल मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया और विधायक

चंद्रप्रकाश को 36 बिरादरी ने लड्डुओं से तौलकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान पूरे गांव में लड्डू बांटकर मुंह मीठा करवाया गया। इस दौरान चंद्रप्रकाश ने गांववासियों से मुलाकात करके उनका कुशलक्षेम भी जाना। जन्मदिवस पर मिले भरपूर स्नेह व शुभकामनाओं के लिए विधायक चंद्रप्रकाश ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शुभचिंतकों ने जन्मदिवस को यादगार बना दिया है। उन्होंने कहा कि हमेशा 36 बिरादरी का भरपूर सहयोग मिला है और कार्यकर्ताओं के उत्साह ने हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि वे आदमपुर हलके के विकास के लिए पूरी शिद्दत से प्रयत्नशील हैं और वे हलकावासियों से मुलाकात करने और उनकी समस्याएं सुनने के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। चंद्रप्रकाश ने कहा कि हलकावासियों से निरंतर संवाद साधने के लिए हर शुक्रवार को मंडी आदमपुर में जनता दरबार का आयोजन भी किया जा रहा है। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि आदमपुर में सड़कों, सीवर व पेयजल लाइन के निर्माण को जल्द पूरा करवाने के लिए वे सरकार व विधानसभा में आवाज उठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन निर्माण कार्यों के अधर में लटकने से आदमपुरवासी काफी परेशान हैं और सरकार को इन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाकर जनता को राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आदमपुर हलके में शैक्षणिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मांग भी कर चुके हैं। बालसमंद के प्राइमरी स्कूल में चलने वाले सरकारी कॉलेज के भवन निर्माण के लिए भी उन्होंने मांग उठाई है। इसी भांति आदमपुर व बालसमंद को उपमंडल बनाने की मांग भी की गई है। इनके उपमंडल बनने से आदमपुर हलकावासियों के कार्यों में गतिशीलता आ जाएगी। इसके साथ ही किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी व बिजली उपलब्ध करवाने की मांग भी रखी गई है।

ऑनलाइन गेम से दूर रहकर खेल को अपनाये युवा: सुभाष बराला

दुइयाँ में ऑल इंडिया महिला जूनियर खो-खो प्रतियोगिता आयोजित

राज्यसभा सांसद ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/भट्टू।

चौधरी पृथ्वी सिंह वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में गांव ठुइयां में तीसरी ऑल इंडिया महिला जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस

प्रकार के खेल आयोजन महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे मंच ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को पहचान दिलाकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनते हैं। खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं, साथ ही स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। बराला ने कहा कि युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग की लत से दूर रहकर मैदानी खेलों से जुड़ना चाहिए। मैदानी खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास करते हैं, बल्कि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से ही स्वस्थ युवा, सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा फतेहाबाद जिले में खेल अवसंरचना को आधुनिक स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयोजित सांसद खेल महोत्सव में जिले के अनेक ग्रामीण खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे खेलों के प्रति युवाओं का रुझान और अधिक बढ़ा है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि जिले में व्यायामशालाओं, योगशालाओं तथा सिंथेटिक ट्रफ़ युक्त खेल मैदानों का विस्तार किया जा रहा है, जिससे खेल संस्कृति को मजबूती मिल रही है। उन्होंने चौधरी पृथ्वी सिंह वेलफेयर ट्रस्ट, आयोजन समिति, खिलाड़ियों तथा सभी सहयोगियों को प्रतियोगिता के आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर हरकोफेड के चेयरमैन वेद फुला, ब्लॉक समिति वाइस चेयरमैन बंसीलाल जांडवाला, मंडल अध्यक्ष जसवंत माचरा, सुरेश मल्हान सरपंच ठुइयाँ, रविंद्र बेनीवाल, बलजीत बेनीवाल, संजय सिंगला, सुरेंद्र भादू सरपंच जाँडवाला, राकेश भाम्भू, प्रमोद बेनीवाल, संदीप नेहरा, सुभाष कसवाँ, सुभाष साहू, सुनील गोदारा, सुखदेव सरपंच, श्रवण ज्यानी, ओमप्रकाश कसवां, मोहर सिंह कसवां, सुभाष ज्यानी, जीतू फुला, श्रवण कसवां सहित अनेक गांवों के सरपंच, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ब्राह्मण समाज विकास समिति बुहाना की बैठक सम्पन्न, 11 जनवरी को होगा विप्रजन सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुहाना स्थित खेमका कुलदेवी मंदिर प्रांगण में आज ब्राह्मण समाज विकास समिति बुहाना उपखंड परिक्षेत्र की बैठक समिति अध्यक्ष नरेश भारद्वाज (एडवोकेट) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन समिति सचिव डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने किया। डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि बैठक में अंग्रेजी नववर्ष 2026 के अवसर पर प्रस्तावित स्नेह मिलन कार्यक्रम एवं 11 जनवरी को आयोजित होने वाले विप्रजन सम्मान समारोह को लेकर विस्तृत परिचर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इस समारोह में उपखंड क्षेत्र के सभी गांवों के योग्य विप्रजनों का सम्मान किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुकेश दाधिच का अभिनंदन एवं सम्मान किया जाएगा, जिन्हें हाल ही में भारतीय जनता पार्टी का पुनः प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु अलग-

अलग समितियों का गठन भी किया गया। बैठक को समिति उपाध्यक्ष विकास पचेरी, राजेंद्र कुमार, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश बोहरा (पचेरी), कोर कमेटी अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, नरेश भारद्वाज, ओमप्रकाश चुड़ीना, वैद्य राजेंद्र प्रसाद, शिवकुमार शर्मा (पचेरी) सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर जयप्रकाश शर्मा, हरीश शर्मा, गजेंद्र शर्मा, नरेश शर्मा, मुरारीलाल चूड़िना, विनोद शर्मा मांकड़ों, सत्यप्रकाश सहड, प्रदीप शर्मा, संतोष कौशिक, रविदत्त वशिष्ठ, पवन शर्मा, राकेश, दीपक सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में समिति सचिव डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

फतेहाबाद पुलिस की 'स्वच्छ थाना-चौकी पहल': कार्य संस्कृति और जनसेवा में सकारात्मक बदलाव की मिसाल

स्वच्छ, सुव्यवस्थित थानों से नागरिक अनुभव में आ रहा है सुधार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा संचालित 'स्वच्छ थाना-चौकी पहल' जिले में जिम्मेदार और संवेदनशील पुलिसिंग की एक सशक्त पहचान बनकर उभर रही है। इस पहल के माध्यम से थाना परिसरों की स्वच्छता के साथ-साथ अनुशासन, कार्यसंस्कृति और जनसेवा के स्तर को लगातार बेहतर किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी थानों व चौकियों में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए साफ-सफाई, रिकॉर्डों के सुव्यवस्थित रख-रखाव,

पुराने व अनुपयोगी सामान की छंटाई, मरम्मत तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर रहे हैं। इस पहल की विशेषता यह है कि इसमें सभी स्तर के अधिकारी और कर्मचारी एक टीम भावना के साथ सहभागिता निभा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित कार्यस्थल पुलिस कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ थानों में आने वाले नागरिकों के लिए भी सकारात्मक वातावरण तैयार करता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस पहल को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। अभियान के परिणामस्वरूप कई थानों में नागरिक सुविधाओं में स्पष्ट सुधार देखने को मिला है। स्वच्छ पेयजल, साफ शौचालय, बैठने की उचित व्यवस्था और बेहतर रिसेप्शन प्रणाली से अब आमजन को अधिक सम्मानजनक और सहज अनुभव प्राप्त हो रहा है। फतेहाबाद पुलिस का विश्वास है कि साफ-सुथरा और अनुशासित थाना परिसर समाज में भरोसे और सकारात्मक संदेश को मजबूत करता है। इसी सोच के साथ यह पहल जन-अनुकूल और प्रभावी पुलिसिंग की दिशा में एक सतत प्रयास के रूप में जारी है।

माता सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण

नारी चेतना की मशाल जयंती समारोह में वक्ताओं ने किया नारी शिक्षा पर मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ रेवाड़ी।

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं नारी सशक्तिकरण की अग्रदूत माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर 'नारी चेतना की मशाल: माता सावित्रीबाई फुले' शीर्षक से एक गरिमामय, प्रेरणादायी एवं विचारोत्तेजक जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी, मॉडल टाउन रेवाड़ी में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पण, ज्ञान की प्रतीक मोमबत्ती प्रज्ज्वलन तथा बुद्ध वंदना के साथ हुआ। यह आयोजन सेवास्तंभ के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष भगतसिंह बौद्ध, राजपाल सिंह, पूर्व हजरस प्रधान सूबे सिंह रेवाड़िया एवं रामनिवास गोठवाल के संयोजन में महिलाओं को समर्पित रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमित्रा गोठवाल (संस्कृत अध्यापिका) ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच एवं राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित रोशनी देवी उपस्थित रहीं, जबकि मुख्य वक्ता एवं मंच संचालन की भूमिका राज बाला तंवर (सेवानिवृत्त प्राध्यापिका) ने निभाई। अपने संबोधन में राज बाला तंवर ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और शिक्षा के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण है, जो आज भी समाज को दिशा देता है। उन्होंने कहा कि नारी शिक्षा सामाजिक परिवर्तन की सबसे

सशक्त कुंजी है और इसी के माध्यम से समानता व न्यायपूर्ण समाज का निर्माण संभव है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में रेणु बाला (सरपंच प्राणपुरा-गोपालपुरा), बबीता (सरपंच इब्राहिमपुर), रेणु पथरवा (जिला अध्यक्ष, महेंद्रगढ़ आवाज फाउंडेशन हरियाणा), आशा बौद्ध (प्रदेश महिला उपाध्यक्ष, भारतीय बौद्ध महासभा मुंबई), केला देवी (कोर्डिनेटर, सेवा संस्था नारनौल) एवं भानी देवी (सेवानिवृत्त सुपरिटेंडेंट) मौजूद रहीं। वक्ताओं ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष, महिला शिक्षा, सामाजिक न्याय, समानता और संविधान के मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि नारी चेतना का जागरण ही समतामूलक और सशक्त समाज की आधारशिला है। उन्होंने महिलाओं से शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने और सामाजिक बदलाव की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रामचंद्र रंगा, मेजर सूबेदार सत्य नारायण, होशियार अहरोदिया, रविदत्त, सुखराम, तेजपाल रंगा, नरेंद्र मेहरा, सतबीर गोठवाल, हरि सिंह, रमेश ठेकेदार, भीम सिंह, हरेश पंवार, सरोज देवी, वीना देवी, रेशम सांभरिया, रिया सिंह, वीना रेवाड़ियां, सरस्वती, सतबीर सैनी, लक्ष्मी सैनी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहें। आयोजन के दौरान सेवास्तंभ जिला इकाई की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा के व्यापक प्रसार के संकल्प के साथ हुआ। अंत में भगत सिंह बौद्ध ने सभी अतिथियों, सहभागियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बालिका शिक्षा व सामाजिक एकता पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत रविवार को झुंझुनू दौरे पर रहे। यहां वे कुम्हार कर्मचारी एवं समाज सेवा समिति झुंझुनूं के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य मंत्री (अध्यक्ष माटी कला बोर्ड, राजस्थान सरकार) प्रहलाद रॉय टाक ने की। विशिष्ट अतिथि मदन प्रजापत, महेंद्र चन्दवा, एडवोकेट सुरेन्द्र लाम्बा, समाजसेवी कुरडाराम नानवाल,

संयुक्त सचिव वित्त विभाग रणवीर सिंह रहें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने समाज बंधुओं से कुरीतियों के त्याग, संस्कारवान बनने, सर्व समाज के सहयोग से शासन व प्रशासन में भागीदारी सुनिश्चित करने तथा बालिका शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने अपने विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। राज्य मंत्री प्रहलाद रॉय टाक ने प्रतिभावान विद्यार्थियों से उच्च लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से रील की बजाय रियल लाइफ का हीरो बनने की प्रेरणा दी। महेंद्र चन्दवा एवं हरिराम दादरवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी तथा आगामी रणनीति से अवगत कराया। मदन प्रजापत, सुरेन्द्र लाम्बा, समाजसेवी कुरडाराम नानवाल, संयुक्त सचिव वित्त विभाग रणवीर सिंह, राधेश्याम काम्या, विनोद कुमावत सहित अन्य वक्ताओं ने सामाजिक एकता, भाईचारे एवं शासन-प्रशासन में सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।

टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आएगी बांग्लादेशी टीम

-आईपीएल विवाद के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का फैसला

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश की टीम आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने के लिए भारत नहीं जाएगी। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की है। नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बैठक के बाद इस बात का फैसला लिया है। अब इंतजार इस बात का है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का इस मुद्दे पर क्या रुख होता है क्योंकि इस बड़े इवेंट के लिए शेड्यूल वगैरह तो आईसीसी ही तैयार करती है।

आसिफ नजरुल ने फेसबुक पर लिखा कि बांग्लादेश विश्व कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को यह फैसला लिया है। हम इस फैसले का स्वागत करते हैं, जो इंडियन क्रिकेट बोर्ड की आक्रामक सांप्रदायिक नीतियों के जवाब में लिया गया है। बीसीबी का ये फैसला बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर करने के बाद लिया गया है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया था कि वो मुस्ताफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दे। केकेआर ने बीसीसीआई के निर्देशों का पालन करते हुए मुस्ताफिजुर को रिलीज कर दिया था।

मुस्ताफिजुर को रिलीज करने के बाद हुआ बवाल

कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्ताफिजुर रहमान को पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। भारत के कुछ धार्मिक और राजनीतिक संगठनों की ओर से बांग्लादेशी खिलाड़ी के आईपीएल में खेलने पर सवाल उठाए गए,जिसके बाद बीसीसीआई ने बड़ा निर्णय लिया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को 2026 के लिए अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसमें भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज़ भी शामिल है। यह सीरीज पहले 2025 में प्रस्तावित थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश के मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेले जाने निर्धारित हैं। निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक टीम को अपना पहला मैच 7 फरवरी को ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना है। हालांकि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इन मुकाबलों के स्थान को लेकर अब असमंजस की स्थिति बन गई है।

चोट से रिकवर कर मैदान में उतरने को तैयार अय्यर... 6 जनवरी को हिमाचल के खिलाफ मैच

मुंबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर चोट से रिकवरी के बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलने को तैयार हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। अय्यर 6 जनवरी को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई की ओर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ खेलने वाले है। रिपोर्ट के अनुसार, श्रेयस अय्यर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से कुछ शर्तों के साथ खेलने की मंजूरी मिली है। अय्यर ने अपने रिहैबिलिटेशन के आखिरी दौर के लिए सीओई में 10 दिन बिताए। रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल के तहत, अय्यर ने 2 जनवरी को एक प्रैक्टिस मैच भी खेला। इस प्रैक्टिस मैच के दौरान अय्यर को किसी तरह की तकलीफ महसूस नहीं हुई।

विजय हजारे ट्रॉफी में अय्यर का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने साल 2024 में कर्नाटक के विरुद्ध 50 गेंदों में 114 रन की पारी खेली थी। अय्यर ने प्रमुख घरेलू वनडे प्रतियोगिता में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। वह पिछले सीजन 5 मुकाबलों में 325 रन बनाकर मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने है।

बात दें कि अय्यर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के तीसरे वनडे के दौरान गंभीर चोट लगी थी। कैच लेने की कोशिश में अय्यर अपना संतुलन खो बैठे और पसलियों के बल मैदान पर गिर पड़े। इससे उनकी स्प्लीन में गंभीर चोट आई और अंदरूनी ब्लीडिंग भी हुई। इसके बाद से अय्यर क्रिकेट मैदान से दूर हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम शनिवार को चुनी जाएगी, जिसमें खिलाड़ियों की फिटनेस पर ध्यान दिया जाएगा। इसके बाद यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि चयनकर्ता उन्हें सीधे इंटरनेशनल मुकाबलों के लिए चुने सकते हैं या फिर पहले उन्हें घरेलू प्रतियोगिता में परखना चाहते है।

डेविड वॉर्नर ने बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स की ओर से खेली शतकीय बारी

–टी20 क्रिकेट में विराट कोहली के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली

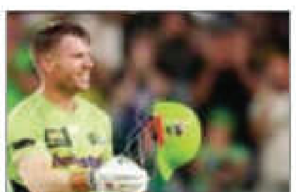

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर इस समय बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स के लिए खेल रहे हैं। बीबीएल 2025-26 के 21वें मैच में सिडनी थंडर्स का मुकाबला होबार्ट हरिकेंस के साथ हुआ। इस मैच में वॉर्नर ने सिडनी के लिए रिकॉर्ड शतकीय पारी खेली। सिडनी के लिए वॉर्नर ने मैच में नाबाद 130 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 57 गेंद में अपना शतक पूरा किया। इससे पहले वॉर्नर ने बीबीएल में आखिरी बार 2011 में शतक लगाया था। इस तरह उन्होंने बीबीएल में 14 साल के सूखे को खत्म किया। इस शतकीय पारी के साथ ही वॉर्नर ने टी20 क्रिकेट में विराट कोहली के एक बड़े रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। टी20 फॉर्मेट में वॉर्नर का ये 9वां शतक था। वॉर्नर ने अपनी 428वीं पारी में ये कारनामा किया, जबकि कोहली ने 397वीं पारी में 9वीं टी20 सेंचुरी लगाई थी। टी20 में क्रिस गेल 22 सेंचुरी के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम 11 टी20 शतक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ डेविड वॉर्नर ने शतक लगाया, लेकिन उनकी टीम को जीत नहीं मिल सकी। मुकाबले में सिडनी की टीम पहले बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी थी। बैटिंग में टीम की शुरुआत खराब हुई और उसने बिना कोई रन बनाए अपने 2 विकेट गंवा दिए, फिर वॉर्नर ने अकेले मोर्चा संभालाते हुए निक मेडिसन, सैम बिलिंग्स और डेनियल सम्स के साथ मिलकर स्कोर को 20 ओवर के खेल में 4 विकेट के नुकसान पर 204 रन तक पहुंचाया। सिडनी के इस स्कोर के जवाब में होबार्ट की शुरुआत बहुत ही शानदार रही थी। पारी की शुरुआत करने आए टिम वार्ड और मिचेल ओवेन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 108 रनों की पार्टनरशिप की। टिम वार्ड ने होबार्ट के लिए 90 रनों की शानदार पारी खेली। इसके अलावा मिचेल ओवेन ने 45 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद मिडिल ऑर्डर के खिलाड़ियों ने 17.5 ओवर में टीम के स्कोर को 207 रन पहुंचाकर होबार्ट को 6 विकेट से जीत दिलाई।

खराब शुरुआत के बावजूद रूट और ब्रूक की अर्धशतकीय पारी से संभाली इंग्लैंड की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर हो रहे एशेज 2025-26 के पांचवें टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड ने खराब शुरुआत के बावजूद मैंच पर मजबूत पकड़ बना ली। जो रूट और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों ने टीम को संभाल लिया है। बारिश और खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी समाप्त करना पड़ा और केवल 45 ओवर ही फेंके जा सके। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए झाय रिचर्डसन की जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को शामिल किया। वहीं, स्पिनर टॉड मर्फी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा कि पिच से स्पिनरों को मदद नहीं मिलने की वजह से यह फैसला लिया। दूसरी ओर, इंग्लैंड को मजबूरन एक बदलाव करना पड़ा और चोटिल गस एटकिंसन की जगह मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल करना पड़ा। इंग्लैंड की शुरुआत फिर निराशाजनक रही। बेन डकेट ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर मिचेल स्टार्क के एक ओवर में लगातार दो चौके लगाए, लेकिन 24 गेंदों में 27 रन बना विकेट के पीछे कैच दे बैठे। इसके बाद माइकल नेसर ने जैक क्रॉली को 29 गेंदों में 16 रन पर एलबीडब्ल्यू किया। अगले ही ओवर में स्कॉट बोलैंड ने जैकब बेथेल को 23 गेंदों में 10 रन पर आउट कर दिया। इंग्लैंड ने 13 ओवर में 57 रन पर अपने तीन शीर्ष विकेट गंवा दिए।

इसके बाद जो रूट और हैरी ब्रूक ने नई गेंद को संभालते हुए पारी को स्थिर किया। लंच तक इंग्लैंड का स्कोर 114/3 था। कैमरन ग्रीन पहले सत्र में प्रभावी साबित नहीं हुए। 34वें ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए–रूट ने 65 गेंदों में और ब्रूक ने 63 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। ग्रीन के एक ओवर में ब्रूक ने टेस्ट का पहला छक्का भी लगाया। 45 ओवर के बाद अंपायरों ने लाइट मीटर निकाला और खराब रोशनी के चलते खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद बारिश के कारण खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड का स्कोर 211/3 था। जो रूट 103 गेंदों में 72 रन (8 चौके) और हैरी ब्रूक 92 गेंदों में 78 रन (6 चौके, 1 छक्का) बनाकर नाबाद लौटे।

तेज गेंदबाज मयंक यादव ने शुरु की गेंदबाजी, लखनऊ सुपर जायंट्स को मिली राहत

नई दिल्ली ।लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव अब तेजी से फिटनेस हासिल कर रहे हैं।मयंक पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फैक्चर के कारण तकरीबन एक साल से मैदान से बाहर थे।अब उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है।23 साल के मयंक ने पहले ही सत्र में अपनी तेज रफ्तार से सबका ध्यान खींचा था। मयंक इसके बाद पीठ की चोट के कारण 2025 सत्र में केवल दो ही मुकाबले खेल पाये थे। लखनऊ सुपर जायंट्स ने उनके पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी इस गेंदबाज को रिटेन किया है। वहीं एक बोर्ड अधिकारी ने कहा, मयंक अपने रिहैबिलिटेशन में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और उन्होंने तेजी से गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। इस अधिकारी ने साथ ही कहा, उन्होंने स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग में भी काफी बेहतर किया है, जिससे वह तेज गेंदबाजी के लिए पूरी फिटनेस हासिल करने के करीब है।उम्मीद है कि आने वाले समय में वह 100 फीसदी तेजी से गेंदबाजी कर पायेंगे।

अभी रोहित और विराट को खेलते हुए देखना चाहते हैं इरफान पठान

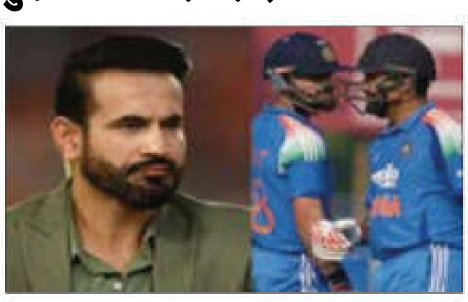

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा है कि वह रोहित शर्मा और विराट कोहली को अभी खेलते हुए देखना चाहते हैं।वहीं पठान ने रोहित और कोहली के पुरुष विश्व कप 2027 में खेलने की संभावनाओं को लेकर कहा, आप निश्चित रूप से 2027 एकदिवसीय विश्वकप कप के बारे में उनको खेलते देखना चाहेंगे हालांकि अभी इसमें काफी समय है। इसलिए अभी से कुछ नहीं कहा जा सकता है पर जहां तक मेरी बात है मैं बस रोहित और कोहली दोनों को लंबे समय तक भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट खेलते हुए देखना चाहता हूं।साथ ही कहा कि अभी ये दोनो ही केवल एक प्रारुप में खेल रहे हैं।इसलिए वे जितना ज़्यादा खेलेंगे, उतना ही उनके लिए अच्छा रहेगा।वहीं पठान ने एकदिवसीय टीम के नये कप्तान शुभमन गिल की भी प्रशंसा करते हुए कहा, जब मुझे पहली बार 19 साल की उम्र में चुना गया था, तो द्रविड़ ने कहा था, इरफान, यह अच्छी बात है कि तुम इस लेवल तक पहुंच गए हो, लेकिन अब चीजें और कठिन होंगी।जब मैंने उनसे पूछा कि अगर चीजें मुश्किल हो जाएं तो मुझे क्या करना चाहिए? उन्होंने जवाब दिया, तुम्हें इसे संभालना आ जाएगा और ऐसा ही कुछ शुभमन गिल के साथ भी होगा।इंग्लैंड दौरे पर शुभमन के साथ एक अच्छी बात यह हुई कि उनका टेस्ट एवरेज बेहतर हुआ और टीम पर उनका दबदबा भी बढ़ा।अब वनडे में भी उन पर जिम्मेदारी है और यह उनके लिए आगे बढ़ने का एक बड़ा मौका है। वहीं शुभमन की तुलना विराट कोहली से किए जाने पर पठान ने कहा,वह बहुत प्रतिभाशाली है इसलिए तुलना होगी ही।ये वैसे ही है जैसे पहले विराट कोहली की सचिन तेंदुलकर से तुलना की जाती थी।इसलिए इसमें कुछ अलग नहीं है पर शुभमन को लगातार रन बनाकर विराट से तुलना को सही साबित करना होगा।

टी20 में बेहतर संतुलन के लिए गेंदबाजों को पांच ओवर दें : टॉफेल

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई अंपायर साइमन टॉफेल ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को चार ओवर की जगह पर पांच ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति दी जानी चाहिए। टॉफेल के अनुसार इससे गेंद और बल्ले के बीच बेहतर संतुलन रहेगा। आजकल अधिकतर मैचों में बल्लेबाज हावी रहते हैं जिससे काफी बड़े स्कोर बन रहे हैं। वर्तमान में एक गेंदबाज टी20 प्रारुप में केवल चार ओवर ही कर सकता है पर टॉफेल का मानना है कि अगर गेंदबाज को पांच ओवर दिये जायं तो खेल की रणनीति बदल जाएगी।

इस अंपायर ने कहा , 'मैंने कुछ अलग-अलग लीग को कुछ अपनी ओर से कई सुझाव दिए हैं, जिन पर अभी तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है। मैं सीमित ओवरों के क्रिकेट को रोमांचक बनाने के पक्ष में हूं इसलिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में एक समान हालात चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि टी20 क्रिकेट में एक गेंदबाज पांचवां ओवर भी फेंके। अगर कोई बल्लेबाज पहली गेंद से लेकर अंत गेंद तक पूरी पारी में क्रीज पर रह सकता है तो फिर हम सभी गेंदबाजों को चार ओवर तक ही क्यों सीमित किया जार रहा है।

टॉफेल ने कहा, 'क्या हम किसी एक गेंदबाज को एक अतिरिक्त ओवर दे सकते हैं जिससे बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच बराबरी हो सकेगी। मैं केवल मैच में संतुलन चाहता हूं। उन्होंने कहा कि वह हाल ही में शामिल किये गये इम्पैक्ट प्लेयर नियम और रणनीतिक टाइमआउट को सही नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, 'सभी बदलाव अच्छे नहीं होते। हम केवल बाजार के अनुसार चीजे नहीं बदल सकते। हमें खेल को देखते हुए सावधानी बरतनी होगी। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होता है। वहीं आईएलटी20 में सुपर सब होता है।

छेत्री सहित भारतीय फुटबॉलरों ने फीफा से की अपील, आईसीएल निलंबित होने से परेशानी में हैं खिलाड़ी

कोलकाता ।भारतीय फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री ने कहा है कि आज देश का फुटबॉल जगत बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। छेत्री के अनुसार इंडियन सुपर लीग (आईसीएल) को निलंबित किये जाने के बाद से ही खेल मुश्किल में है। ऐसे में भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए विश्व फुटबॉल महासंघ (फीफा) को कदम उठाने चाहिये।आईएसएल के निलंबन के बाद से ही नये सत्र की शुरुआत नहीं हो पायी है। इससे खिलाड़ी आर्थिक संकटों से भी जूझ रहे हैं।खिलाड़ियों के साथ ही क्लब भी संश में हैं।खिलाड़ियों को वेतन तक नहीं मिल पा रहा है। इससे खिलाड़ियों का करियर भी संकट में है। छेत्री के साथ ही गुरप्रीत सिंह संधू, संदेश झिंगन सहित कई अन्य खिलाड़ियों ने भी कहा कि आईएसएल को शीघ्र बहाल किया जाना चाहिये।खिलाड़ियों ने कहा कि भारतीय फुटबॉल इस समय ऐसे ठहराव में फंसा है, जहां आगे की राह नहीं दिख रही है।वहीं संधू ने कहा कि साल की शुरुआत में खिलाड़ियों को आईएसएल खेनना चाहिये था पर वह अभी तक संशय में हैं।इस मामले में खिलाड़ियों ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा से सीधे हस्तक्षेप की अपील की है। ।छेत्री ने कहा कि खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, क्लब मालिक और प्रशंसक सभी स्पष्टता, सुरक्षा और सबसे अहम एक सुरक्षित भविष्य के अधिकारी हैं। गौरतलब है कि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन(एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड(एफएसडीएल) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट के नवीनीकरण को लेकर समझौता 8 दिसंबर को समाप्त हो गया था, जिसके बाद जुलाई से ही 2025–26 सीजन को रोक दिया गया।

अभी संन्यास लेने का इरादा नहीं : स्मिथ

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि अभी वह खेल का आनंद ले रहे हैं और उनका निकट भविष्य में संन्यास का कोई इरादा नहीं है। स्मिथ ने अबत एशेज सीरी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। नियमित कप्तान पीट कमिंस के बाहर होने से वह कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। स्मिथ के अनुसा अभी वह फिट हैं और लंबे समय तक टीम के लिए खेल सकते हैं। वहीं स्मिथ से जब उनके एशेज 2027 में खेलने को लेकर सवाल पूछा गया। तो उन्होंने कहा, मैंने कुछ समय से कहा है, मैं इसे सीरीज-दर-सीरीज देख रहा हूं, और हम देखेंगे कि चीजें कहां पहुंचती हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी ठीक कर रहा हूं, मैं खेल का आनंद ले रहा हूं, मैं अपना योगदान दे रहा हूं, और इसमें मुझे अच्छा लग रहा हूं। इसलिए अभी संन्यास को लेकर कोई तारीख तय नहीं की जा सकती है।

उन्होंने कहा, हाल के कुछ साल में ऑस्ट्रेलियाई टीम के अच्छे प्रदर्शन से खेल और बेहतर हुआ है। मैच अब ड्रॉ नहीं हो रहे बल्कि परिणाम आ रहे है। ये अच्छे संकेत हैं। हमारे पास एक अच्छी टीम है। हम लगातार दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेले हैं। ऐसा कभी नहीं हुआ कि केवल एक या दो खिलाड़ी ही खेले रहे हों। टीम के सभी खिलाड़ी अपनी ओर से योगदान दे रहे हैं। इसी वजह से हम एक अच्छी टीम बने हैं। इस टीम का हिस्सा बआ रहना सबसे अच्छा रहा है। अब एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर, मैं आने वाले कुछ खिलाड़ियों की सहायता कर सकूंगा और उन्हें टेस्ट क्रिकेट का खेल सिखाने में सहायता कर सकूंगा।स्मिथ ने संन्यास की घोष्णा करने वाले उस्मान ख्वाजा की भी प्रशंसा की है। वहीं अपनी कप्तानी में ख्वाजा को टीम में नहीं लिए जाने पर स्मिथ ने कहा कि इससे उन्हें सबक मिला और ख्वाजा ने स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल को पहले से बेहतर बनाया है।,

शमी के चयन नहीं होने पर नाराज कोच ने गुस्सा जताकर कहा... और कितने विकेट लेने होंगे?

नई दिल्ली ।भारत की आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को नहीं शामिल किया गया है।इस फैसले ने सभी को चौंका दिया है, खासकर इसलिए क्योंकि शमी घरेलू क्रिकेट में शानदार फार्म में हैं।चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर भरोसा दिखाया है।शमी के बचपन के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने चयन समिति के फैसले पर खुलकर नाराजगी जाहिर कर दी है।उन्होंने मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर पर सवाल उठाकर कहा कि शमी को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।बदरुद्दीन ने कहा, एक खिलाड़ी और क्या कर सकता है? शमी को और कितने विकेट लेने होंगे? शमी का मौजूदा घरेलू सीजन उनके चयन का मजबूत दावा पेश करता है।विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने पांच मैचों में 11 विकेट झटके हैं।हाल ही में असम के खिलाफ बंगाल की ओर से खेलकर शमी ने 3 विकेट देकर 55 रन खर्च किए और टीम को विपक्षी को 217 रन पर ढेर करने में मदद की। हालांकि, कोच बदरुद्दीन को आशंका है कि चयन समिति अब 35 वर्षीय शमी से आगे बढ़ने का मन बना चुकी है।उनका मानना है कि भविष्य की योजनाओं के तहत युवा गेंदबाजों को मौका दिया जा रहा है।

आईपीएल से बाहर हुए मुस्तफिजुर रहमान का 400वां कमाल.... हासिल की ये बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के बीच मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देशों के बाद आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर की टीम से बाहर कर दिया गया है। आईपीएल से बाहर होने के बाद रहमान ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। मुस्तफिजुर रहमान ने टी20 क्रिकेट में 400 विकेट पूरे किए और बतौर तेज गेंदबाज सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले पेसर बने है। टी20 में सबसे तेज 400 विकेट लेने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान के नाम है। मुस्तफिजुर टी20 इतिहास में 400 विकेट लेने वाले सिर्फ 11वें गेंदबाज बने है। वह ऐसा करने वाले शाकिब अल हसन के बाद दूसरे बांग्लादेशी भी हैं, जिन्होंने बीपीएल 2022 के दौरान 353 मैचों में यह कारनामा किया था।

30 साल के मुस्ताफिजुर ने यह रिकॉर्ड अपना 315वां टी20 मैच खेलकर बनाया। यह मुकाबला बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में सिलहट टाइटंस के खिलाफ बना। रंगपुर राइडर्स की ओर से खेलकर मुस्ताफिजुर ने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए और अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। उन्होंने मेहदी हसन मिराज का विकेट लेकर 400 विकेट पूरे किए, इसके बाद अफिफ हुसैन ध्रुबो और खालिद अहमद को भी आउट किया। अब मुस्ताफिजुर के नाम 315 टी20 मैचों में 402 विकेट हैं। उनका इकॉनमी रेट 7.43 का है। उन्होंने टी20 में 6 बार चार विकेट और 4 बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है।

मुस्तफिजुर ने पाकिस्तान के वहाब रियाज का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 335 मैच में 400 विकेट लेने का कमाल किया था। यह बांग्लादेशी पेसर अब कुल मिलाकर 400 टी20 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गया है। उन्होंने साउथ अफ्रीका के लेग-स्पिनर इमरान ताहिर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह मुकाम हासिल करने के लिए 320 मैच लिए थे। अफगानिस्तान के स्पिन स्टार राशिद खान कुल मिलाकर 400 टी20 विकेट लेने वाले सबसे तेज गेंदबाज बने हुए हैं, उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 289 मैचों में किया।

सिमर भाटिया पर ट्विंकल खन्ना ने लुटाया प्यार 'इक्कीस' के कारण चर्चा में हैं

अक्षय कुमार की बहन की बेटी सिमर भाटिया भी अब फिल्मों में कदम रख चुकी हैं। उनका फिल्म 'इक्कीस' से उन्होंने डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने अगस्त्य नंदा के किरदार अरुण खेत्रपाल की प्रेमिका का रोल किया है। इस किरदार में सिमर को पसंद किया जा रहा है। सिमर ने भी फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस फोटो शेयर की हैं। इन तस्वीरों पर अक्षय कुमार की पत्नी और एक्ट्रेस ट्विंकल ने भी प्यार लुटाया है। जानिए, उन्होंने सिमर के बारे में क्या लिखा।

सिमर ने पोस्ट में फिल्म से जुड़ी यादें साझा कीं

सिमर भाटिया ने गुरुवार को एक पोस्ट की, जिसमें साल 2025 की यादों का जिक्र किया। फिल्म 'इक्कीस' से जुड़ी तस्वीरें और यादों का जिक्र किया। इन तस्वीरों पर ही ट्विंकल खन्ना ने रिएक्शन दिया है। ट्विंकल खन्ना अक्षय की भतीजी सिमर के बहुत करीब है।

ट्विंकल खन्ना ने सिमर को किया चियर

ट्विंकल खन्ना ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरी सिमू बेस्ट है।' आगे उन्होंने हार्ट इमोजी बनाया है। ट्विंकल खन्ना के फैमिली फंक्शन में अक्सर सिमर को देखा जाता है। इन मौकों पर उनकी और ट्विंकल की बॉन्डिंग साफ नजर आती है। अक्षय कुमार भी अपनी भतीजी को सपोर्ट करने फिल्म 'इक्कीस' की स्क्रीनिंग पर कुछ दिन पहले पहुंचे थे।

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

म्यूजिकल प्रोजेक्ट में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी अलीजेह अग्निहोत्री

साल 2014 में रिलीज हुई फ्रेंच फिल्म ला फैमिली बेलियर का हिंदी रीमेक बनने वाला है। खबर है कि निर्माताओं ने इस म्यूजिकल फिल्म के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी और अलीजेह अग्निहोत्री को कास्ट किया है। फिल्म का निर्देशन विकास बहल करने वाले हैं। इसकी शूटिंग जून से अगस्त के बीच शुरू हो सकती है।

क्या है ला फैमिली बेलियर की कहानी?

ला फैमिली बेलियर एक कॉमेडी फिल्म है जिसके निर्देशक एरिक लार्टिगाउ हैं। इसकी कहानी 16 साल की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। लड़की अपने मूक-बधिर माता-पिता की देखभाल करती है। उसकी जिंदगी तब बदल जाती है, जब उसके म्यूजिक टीचर को उसकी खूबसूरत गाने की आवाज का पता चलता है। लड़की को अपने सपने को पूरे करने और अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी के बीच चुनाव करना होता है। ला फैमिली बेलियर ने 2022 में 94वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) में बेस्ट पिक्चर का अवॉर्ड जीता था।

ओरिजिनल फ्रेंच की रीमेक होगी फिल्म

एक सूत्र के हवाले से लिखा है सिद्धांत चतुर्वेदी और अलीजेह अग्निहोत्री की एक फिल्म है, जिसे विकास बहल डायरेक्ट करेंगे। यह बेहतरीन फिल्म होगी। यह एक फ्रेंच फिल्म ला फैमिली बेलियर का रीमेक है, जिसका रीमेक बनाया जाएगा। इस फिल्म ने ऑस्कर जीता था। यह एक म्यूजिकल फिल्म है, यह संजय लीला भंसाली की खामोशी जैसी है। हमने इसे ओरिजिनल फ्रेंच फिल्म से लिया है।

सिद्धांत-अलीजेह का काम

सिद्धांत चतुर्वेदी को आखिरी बार 2025 की फिल्म धड़क 2 में तृप्ति डिमरी के साथ देखा गया था। सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही मृणाल ठाकुर के साथ फिल्म दो दीवाने सहर में नजर आने वाले हैं। अलीजेह अग्निहोत्री ने साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म फर्रे से एक्टिंग में डेब्यू किया था। यह उनकी आखिरी फिल्म भी है।

शक्ति शालिनी की हुई घोषणा
सैयारा फेम अनीत पड्डा निभाएंगी मुख्य भूमिका

अनीत पड्डा, जो 2025 की हिट फिल्म सैयारा से फेमस हुईं, अब मैडॉक फिल्म्स की आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म शक्ति शालिनी में मुख्य भूमिका निभाएंगी। पहले शक्ति शालिनी की घोषणा फिल्म थामा की थिएटर रिलीज के साथ एक खास वीडियो से की गई थी। लेकिन आज एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें शक्ति शालिनी के निर्माताओं ने इस फिल्म की एक और घोषणा अगस्त्य नंदा की फिल्म इक्किस के साथ की है। यह क्लिप का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

थामा के बाद अब इक्कीस में भी हुई शक्ति शालिनी की घोषणा

शक्ति शालिनी की घोषणा वीडियो थामा के साथ दिखाई गई और सोशल मीडिया पर यह क्लिप बहुत वायरल हो रही है। अब एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें अनीत थिएटर में बैठी है और अपनी फिल्म शक्ति शालिनी की घोषणा देख रही हैं।

शक्ति शालिनी के बारे में

शक्ति शालिनी मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म है। कथित तौर पर यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिल्म में हॉरर, कॉमेडी और थ्रिलर का मजेदार मिश्रण होगा, जो मैडॉक की खासियत है।

मैडॉक्स की आने वाली फिल्में

मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स आगे भी मजेदार फिल्में ला रहा है। अगले साल चामुंडा और भेड़िया 2 आएंगी। फिर 2027 में स्त्री 3 और 2028 में महा मुंज्या। इस यूनिवर्स में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, वरुण धवन, अक्षय कुमार और आयुष्मान खुराना जैसे बड़े स्टार्स हैं।

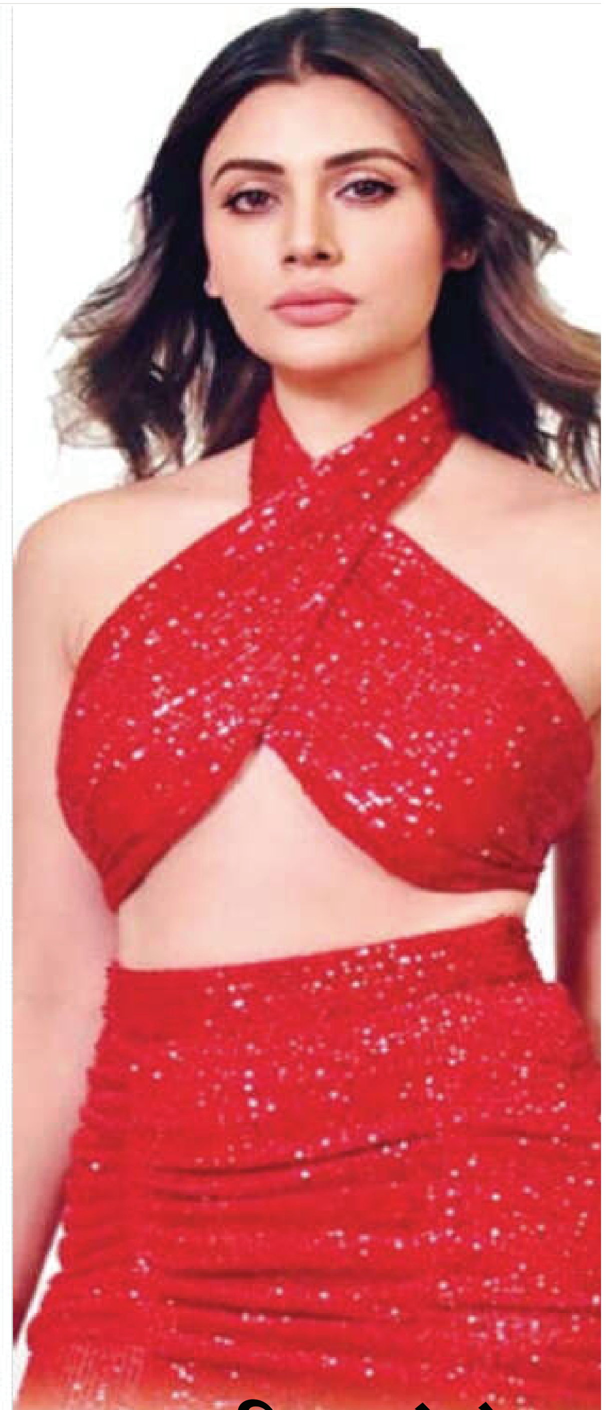

अमाल मलिक को लेकर अफवाहों का मालती चाहर ने किया खंडन

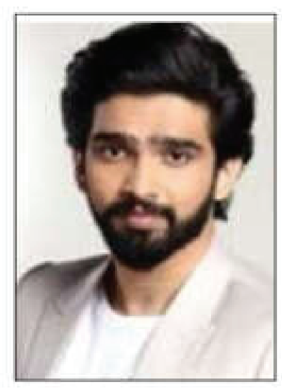

बॉलीवुड और टीवी की दुनिया में अक्सर अफवाहें और कयास नए किस्सों की तरह फैलते रहते हैं। लेकिन जब ये अफवाहें किसी व्यक्ति की निजी जिंदगी से जुड़ जाती हैं, तो यह परेशान करने वाली साबित होती है। ऐसा ही कुछ बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट रह चुकीं मालती चाहर के साथ हुआ। उनसे और म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक को लेकर अफवाहें सोशल मीडिया पर काफी तेज थीं। इन अफवाहों को लेकर मालती ने बयान जारी किया और सभी कयासों का खंडन किया। मालती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मेरे और अमाल के बीच कभी कोई रिलेशनशिप या शिप नहीं था। अमाल ने मुझसे सिर्फ मेरा नंबर लिया था और हम सिर्फ एक बार ही मिले थे। उन्होंने लिखा, इस एक मुलाकात के दौरान हमने कुछ निजी बातें साझा कीं और इसके बाद फोन पर संपर्क में रहे। इसके अलावा, हमारे बीच कोई और चीज नहीं हुई। जो कहानी मीडिया और सोशल मीडिया पर बनाई गई है, वह पूरी तरह झूठी है और अब इसे खत्म किया जाना चाहिए।

मालती ने बिग बॉस 19 हाउस के दौरान की अपनी एक बात को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, शो में मैंने जो कहा था, बाहर की बातें नहीं करेंगे, तो इसका मतलब सिर्फ यह था कि हम निजी जानकारी को शो में साझा नहीं करेंगे। मालती ने कहा, शो से बाहर आने के बाद, मुझे जो बातें पता चली, वह बिल्कुल भी सही नहीं थीं। शो के दौरान अमाल ने अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में कई बार बात की थी। मैंने उस समय सहानुभूति दिखाई और कोशिश की कि उन्हें किसी तरह का पछतावा न हो। मेरा इरादा सिर्फ मदद करना था, लेकिन इस मामले को किसी और तरह से देखा गया।

फिल्म 'इक्कीस' का धुरंधर ने बिगाड़ा खेल

साल 2026 की शुरुआत बॉलीवुड के लिए एक नई वॉर ड्रामा फिल्म इक्कीस के साथ हुई, लेकिन ओपनिंग डे के आंकड़े बस ठीक-ठाक ही रहे हैं। निर्देशक श्रीराम राघवन की इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि यह फिल्म भारत के वीर सपूत सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की जिंदगी पर आधारित है लेकिन पहले दिन फिल्म को धुरंधर से काफी नुकसान पहुंचा है।

फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन

इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की मौजूदगी और अगस्त्य नंदा की लीड भूमिका इसे खास बना रही थी। बावजूद इसके, बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन फिल्म की रफ्तार धीमी नजर आई। सैकनिल्क के मुताबिक खबर लिखे जाने तक फिल्म ने पहले दिन 5.53 करोड़ का बिजनेस किया है, जो कि ठीक-ठाक शुरुआत ही मानी जाएगी। हो सकता है कि आने वाले दिनों में फिल्म की कमाई का ग्राफ ऊपर जाता हुआ नजर आए। बात अगर धुरंधर की करें तो अपने चौथे गुरुवार को भी फिल्म ने अब तक करीब 14 करोड़ का बिजनेस कर लिया है, जो कि अपने आप में ही बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा है।

क्रिसमस के मौके पर होने थी रिलीज

दरअसल इक्कीस को पहले 25 दिसंबर, क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जाना था। लेकिन एस्ट्रोलॉजी के चलते फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई। हालांकि बहुत से लोगों ने ये भी कहा कि रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर के जबरदस्त प्रदर्शन को देखते हुए मेकर्स ने रिलीज डेट आगे बढ़ाकर 1 जनवरी कर दी। माना जा रहा था कि नए साल की छुट्टियों का फायदा फिल्म को मिलेगा, लेकिन शुरुआती रुझान इससे उलट दिखे।

देशभर में मिले करीब 3600 शोज

सैकनिल्क के ही अनुसार, इक्कीस को देशभर में करीब 3600 शोज मिले, लेकिन इनमें से गिने-चुने शोज ही हाउसफुल हो सके। पहले दिन फिल्म की औसत हिंदी ऑक्यूपेंसी करीब 12 फीसदी के आसपास रही, जो किसी बड़े स्केल की वॉर ड्रामा फिल्म के लिए निराशाजनक मानी जा रही है। शुरुआती कलेक्शन के आंकड़े बताते हैं कि फिल्म की ओपनिंग दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम रही। अगर एडवांस बुकिंग की बात करें तो रिलीज से एक दिन पहले तक टिकट बिक्री बेहद सीमित रही। कुल मिलाकर एडवांस बुकिंग से जो कमाई हुई, वह एक करोड़ रुपये के आसपास ही सिमट गई।

फिल्म इक्कीस की कहानी

फिल्म इक्कीस की कहानी भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल के साहस और बलिदान को बड़े पर्दे पर उतारती है। अगस्त्य नंदा ने इस फिल्म में अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाई है, जबकि धर्मेंद्र अहम किरदार में नजर आते हैं। अब सबकी नजरें वीकेंड और आने वाले दिनों की कमाई पर टिकी हैं। न्यू ईयर हॉलिडे का फायदा फिल्म को मिल पाता है या नहीं, यह आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल, इक्कीस के लिए बॉक्स ऑफिस की जंग आसान नजर नहीं आ रही।

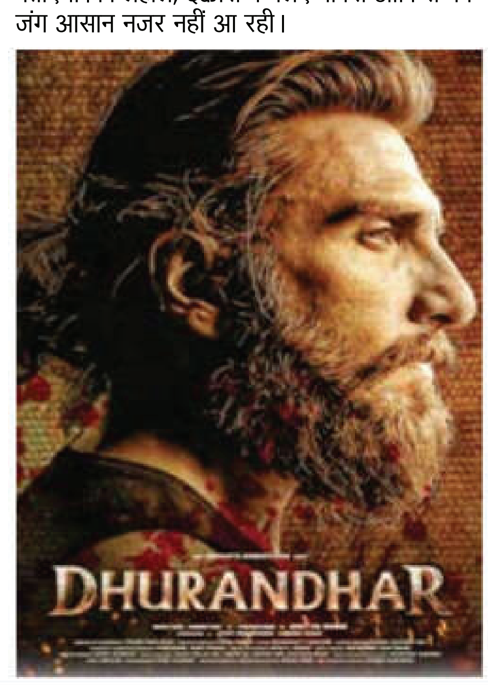

घाटी में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे, खराब मौसम के चलते यैलो अलर्ट जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जहां जम्मू संभाग में कोहरे और शीत लहर का कहर जारी है वहीं घाटी के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे चला गया है। शनिवार को जम्मू संभाग के अधिकतर क्षेत्रों में हल्का कोहरा छाया रहा और आसमान बादलों से ढंका होने के कारण दोपहर तक लोगों को सूरज के दर्शन नहीं हुए। लोगों को कड़ाके की ठंड और शीत लहर का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौसम विभाग ने खराब मौसम को देखते हुए जम्मू संभाग में यैलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कोहरे के साथ शीत लहर का प्रकोप जारी रह सकता है। विभाग ने घने कोहरे में अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर रात का तापमान हिमांक बिंदु से नीचे रहा। गुलमर्ग सबसे ठंडा स्थान रहा जहां तापमान -6.5 डिग्री सैल्सियस किया गया, जबकि पहलगाम में -5.2 डिग्री, श्रीनगर में -1.5 डिग्री और श्रीनगर हवाई अड्डे पर -2.0 डिग्री सैल्सियस तापमान रहा। शोपियां में -4.7, पुलवामा में -3.9, अनंतनाग में -3.0 और कुपवाड़ा व गांदरबल में -1.6 डिग्री सैल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं जम्मू क्षेत्र में तापमान शून्य से ऊपर रहा लेकिन ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड का असर ज्यादा नजर आया। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सैल्सियस रहा, जबकि भद्रवाह सबसे ठंडा स्थान रहा जहां तापमान -1.5 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में 2.7, बटोत में 4.2, ऊधमपुर में 5.0, राजौरी में 3.2 और किश्तवाड़ में 3.6 डिग्री सैल्सियस तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में ठंड का प्रकोप जारी रहने की संभावना है।

दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया, एक नेपाली नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने 10.970 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता की चरस बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई दिल्ली को 2027 तक नशा मुक्त बनाने के अभियान के तहत की गई है। पुलिस को 1 जनवरी को थाना अमर कॉलोनी क्षेत्र में एक नशा तस्कर की लगातार आवाजाही की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें इंस्पेक्टर शुभम चौधरी, एसआई मुनेश, एसआई विनोद, एसआई राजवीर, एसआई राजेंद्र, एएसआई अनिल, हेड कांस्टेबल प्रेम, विवेक, दिनेश, प्रवेश, हेड कांस्टेबल संगीता और कांस्टेबल सतवीर, प्रदीप, चोटूराम व मोहित शामिल थे। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह डागर ने किया और एसीपी/ऑपरेशंस हरि सिंह ने कड़ी निगरानी रखी। टीम ने थाना अमर कॉलोनी में रणनीतिक रूप से जाल बिछाया। शाम 6-50 बजे मुखबिर के इशारे पर संदिग्ध व्यक्ति महेश (46, नेपाल निवासी) को रोका गया। तलाशी में उसके बैग से 10.970 किलोग्राम चरस बरामद हुई। महेश ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह जल्दी और अधिक पैसा कमाने के लालच में नशा तस्करी के धंधे में शामिल हुआ। उसने बताया कि उच्च गुणवत्ता की चरस में भारी मुनाफा होने के कारण वह कानूनी परिणामों को जानते हुए भी इस अपराध में संलिप्त रहा। प्रारंभिक जांच में पता चला कि महेश नेपाल से दिल्ली तक नियमित रूप से अवैध मादक पदार्थ लाता और सप्लाई करता था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ थाना अमर कॉलोनी में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने इसे अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी के खिलाफ एक बड़ा सफलता माना है।

गोवा में बिना लाइसेंस के हो रहा था नाइट क्लब का संचालन

पणजी (एजेंसी)। गोवा के एक नाइट क्लब में हुए अग्निकांड की मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। जांच में साफ हुआ है कि यह नाइटक्लब न केवल अवैध था, बल्कि अधिकारियों की मिलीभगत से मौत का जाल बनकर चल रहा था। नाइटक्लब का निर्माण एक सॉल्ट पैन (नमक के मैदान) के बीच में किया गया था। मौजूदा कानूनों और कोस्टल जोन रेगुलेशन (सीआरझेड) के तहत ऐसी जमीन पर किसी भी तरह का निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है। क्लब का ट्रेड लाइसेंस 31 मार्च 2024 को ही खत्म हो चुका था। इसके बावजूद, यह दिसंबर 2025 तक अवैध रूप से चलता रहा। पंचायत ने इसे न तो सील किया और न ही अन्य विभागों को इसकी जानकारी दी। लाइसेंस के मूल दस्तावेजों में हाथ से लिखकर हाउस नंबर और बार एंड नाइटक्लब जैसे शब्द बाद में अलग स्याही से जोड़े गए थे। आवेदन फाइल से बिल्डिंग प्लान और लैंड रिकॉर्ड जैसे जरूरी दस्तावेज गायब थे। जिस लाइसेंस को जारी करने में महीनों लगते हैं, उसे दिसंबर 2023 में आवेदन मिलने के महज 5 दिनों के भीतर मंजूरी दे दी गई। सचिव ने ढांचे का मौके पर जाकर वेरीफिकेशन तक नहीं किया था। जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 के बीच शोर और पार्किंग को लेकर दर्जनों शिकायतें हुई, लेकिन अधिकारियों ने हर बार सब कुछ ठीक है लिखकर फाइल बंद कर दी। बॉम्बे हाई कोर्ट के नाइट पेट्रोलिंग के आदेशों की भी धज्जियां उड़ाई गईं। 6 दिसंबर की रात, नाइटक्लब में बिना किसी सुरक्षा इंतजाम या अग्निशमन उपकरण के आतिशबाजी का आयोजन किया गया था।

पंजाब में धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी करने पर दोषी को आजीवन कारावास की सजा , न जमानत मिलेगी और न ही राजीनामे की अनुमति

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में मान सरकार धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी को रोकने के लिए जल्द ही बेहद सख्त कानून लागू करेगी। इस संबंध में गठित विधानसभा की सेलेक्ट कमेटी अपनी रिपोर्ट शीघ्र सरकार को सौंपेगी। इसकी जानकारी आम आदमी पार्टी (आप) के संयुक्त सचिव और प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने दी। पन्नू ने बताया कि प्रस्तावित कानून सभी धर्मों के पवित्र ग्रंथों पर समान रूप से लागू होगा। इसके तहत किसी भी धर्मग्रंथ की बेअदबी करने पर दोषी को आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी, जबकि बेअदबी की कोशिश करने पर 3 से 5 साल तक की जेल का प्रावधान होगा। कानून की खास बात यह है कि इसमें आरोपी को न जमानत मिलेगी और न ही किसी तरह के राजीनामे की अनुमति होगी। आप नेता ने कहा कि यह कानून इतना कठोर होगा कि भविष्य में कोई भी धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी करने की हिम्मत नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राज्य स्तरीय कानून होगा और इस जल्द ही विधानसभा में अंतिम रूप दिया जाएगा। यह बयान श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज द्वारा पंजाब सरकार से बेअदबी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग के बाद आया है। पन्नू ने कहा कि सरकार ने अकाल तख्त जत्थेदार के सुझाव को स्वीकार किया है।

डॉ . अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी चुनाव में 62 प्रतिशत मतदान : खेतड़ी नगर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई मतदान प्रक्रिया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी नगर। डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी का प्रदेश-व्यापी चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। खेतड़ी-बुहाना उपखंड के लिए रविदास मंदिर, खेतड़ी नगर को मतदान केंद्र बनाया गया, जहां मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर कुल 682 पंजीकृत मतदाताओं में से 423 मतदाताओं ने मतदान किया, जिससे लगभग 62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। प्रत्येक मतदाता ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महासचिव-तीन पदों के लिए अपने मत का प्रयोग किया। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर पहले ही निर्विरोध निर्वाचन हो चुका था। बूथ निर्वाचन अधिकारी सत्यवीर महरानिया, मतदान बूथ प्रभारी हनुमान प्रसाद महारानियां ने बताया कि सोसाइटी के आजीवन सदस्य, अनुसूचित जाति समाज के जागरूक एवं बुद्धिजीवी मतदाताओं ने जिम्मेदारी के साथ मतदान में भाग लिया। मतदान के दौरान मतदाता अपने-अपने वाहनों से मतदान केंद्र पहुंचे, वहीं समर्थक अपने-अपने प्रत्याशियों के पक्ष में सक्रिय नजर आए। निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी एवं सुचारु संचालन में पूर्व लोकपाल महावीर प्रसाद तोगड़िया, सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर सुरेंद्र बजाड़, श्रवण दत्त नारनोलिया, डॉ. अंबेडकर मेघवंशी विकास संस्थान के अध्यक्ष बंशीधर दोचानियां, जिला निर्वाचन पर्यवेक्षक बलबीर सिंह काला सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा सत्यनारायण गर्वा, धर्मपाल शीला, रामानंद आर्य, रमेश डांडा, एडवोकेट हवासिंह बबेरवाल, सहीराम डाडा, सहीराम तंदूवाल, कर्ण सिंह दहिया, शिक्षणराम दहिया एवं बलवीर सिंह रांगेय सहित बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्र पर मौजूद रहे। कुल मिलाकर खेतड़ी नगर में डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी का चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुआ, जिससे समाज में संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक चेतना का संदेश मिला।

किसी सांसद ने ट्रंप को बताया 'सनकी'.... उनके फैसले पूरी दुनिया के लिए खतरनाक

पूर्णिया । कांग्रेस नेता और पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने वेनेजुएला में अमेरिकी हस्तक्षेप को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कड़ा हमला बोला है। पप्पू यादव ने ट्रंप को 'सनकी' बताकर कहा कि उनके फैसले पूरी दुनिया के लिए खतरनाक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप की नजर वेनेजुएला के तेल और गैस जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर है। पप्पू यादव के अनुसार, एक तथाकथित सुपरपावर का ऐसा अहंकार दुनिया को अशांति की ओर धकेल सकता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के इस 'पागलपन' को अंततः अमेरिका की जनता ही शांत करेगी। इसके साथ ही पप्पू यादव ने प्रियंका गांधी वाड्रा को असम कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की प्रमुख बनने पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा एक जानी-मानी और सम्मानित नेता हैं, जो लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक संघर्षों से जुड़ी रही हैं। उनके अनुसार प्रियंका गांधी को यह जिम्मेदारी किसी विरासत में नहीं मिली, बल्कि उन्होंने अपने काम और संघर्ष के बल पर मुकाम हासिल किया है। पप्पू यादव ने दावा किया कि असम में प्रियंका गांधी की सक्रिय भूमिका मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती साबित होगी। इसके अलावा, पप्पू यादव ने उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्या के पति गिरधारी द्वारा दिए गए विवादित बयान की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि बेटी, मां और बहन-चाहे किसी की भी हों-सभी सम्मान की हकदार हैं और इस तरह की टिप्पणियां किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिहार की जनता ऐसे बयानों को कभी माफ नहीं करेगी।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के यात्रियों की मौज... देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। भारतीय रेलवे दिल्ली से सिकंदराबाद के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की तैयारी शुरु कर दी है। इस हाईटेक ट्रेन के शुरू होने से लंबी दूरी की यात्रा पहले से ज्यादा तेज, आरामदायक और सुविधाजनक होगी। रेलवे जल्द ही इसके संचालन को लेकर आधिकारिक घोषणा करेगी।

फिलहाल दिल्ली-हैदराबाद रूट पर राजधानी एक्सप्रेस सहित कई तेज ट्रेनें चलती हैं, लेकिन यात्रियों की भारी भीड़ के कारण सफर अक्सर असहज हो जाता है। वंदे भारत का स्लीपर वर्जन शुरू होने के बाद यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ आरामदायक यात्रा का विकल्प मिलेगा। व्यापार, शिक्षा और निजी कारणों से इस रूट पर रोज बड़ी संख्या में लोग सफर करते हैं, इसके बाद यह ट्रेन खासतौर पर फायदेमंद साबित होगी।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक, देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ जनवरी 2026 के आसपास या उसके अंत तक किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरी झंडी दिखाकर रवाना कर सकते हैं। शुरुआत में यह ट्रेन गुवाहाटी-हावड़ा रूट पर लांच होगी, जिसके बाद दिल्ली-सिकंदराबाद रूट पर इसके संचालन की योजना है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में कुल 16 कोच और इसमें करीब 823 यात्रियों के सफर की व्यवस्था होगी। इसकी डिजाइन स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटे की है, जबकि व्यावहारिक तौर पर यह ट्रेन 120 से 130 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी। इससे दिल्ली से सिकंदराबाद की यात्रा में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को पूरी तरह आधुनिक तकनीक से तैयार किया गया है। इसके कोचों में सेंसर वाले ऑटोमैटिक दरवाजे होंगे, जिससे चढ़ना-उतरना आसान होगा। वेस्टिब्यूल कनेक्शन, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और कम शोर वाली तकनीक सफर को और आरामदायक बनाएगी। सुरक्षा के लिए ट्रेन में 'कवच' ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम और इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम भी दिया गया है। इसके अलावा, साफ-सफाई बनाए रखने के लिए एडवांस डिसइंफेक्टेंट तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। कुल मिलाकर, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन दिल्ली-सिकंदराबाद रूट पर यात्रियों के लिए तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का नया अनुभव लेकर आने वाली है।

दिल्ली में सबसे ज्यादा प्रदूषण बाहर से फैला, 65 फीसदी पड़ोसी राज्यों से आया

स्टडी से हुआ खुलासा, ये इंडस्ट्री, कंस्ट्रक्शन और दूसरे जलाने वाले स्रोतों से ज्यादा था

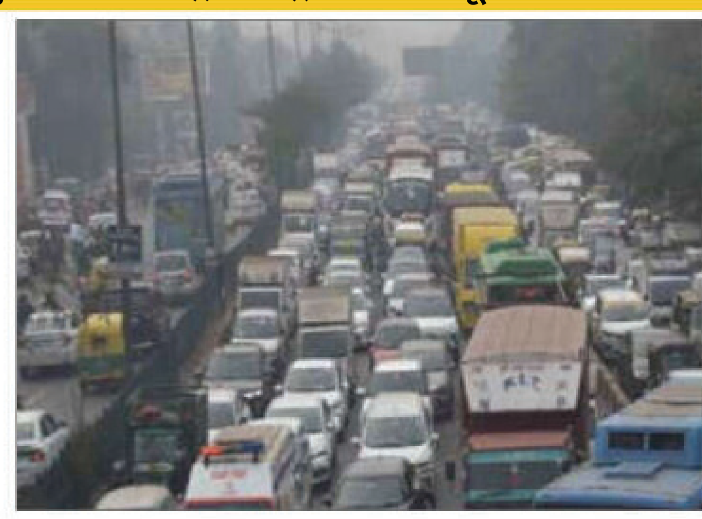

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई स्टडी से पता चला है कि राजधानी दिल्ली के प्रदूषण में 65 फीसदी हिस्सा शहर के बाहर से आया। खासकर एनसीआर के दूसरे जिलों और पड़ोसी राज्यों से। वहीं, दिल्ली के अपने स्रोतों से सिर्फ 35 फीसदी प्रदूषण हुआ। एक एरिपोर्ट में ये बातें सामने आई हैं। सर्दियों के समय में दिल्ली में आने वाला प्रदूषण शहर के अंदर के उत्सर्जन से ज्यादा रहा। आंकड़ों से पता चला है कि सर्दी के मौसम में गाड़ियों से निकलने वाला धुआं दिल्ली के लोकल पीएम2.5 प्रदूषण का करीब आधा हिस्सा था। ये इंडस्ट्री, कंस्ट्रक्शन और दूसरे जलाने वाले स्रोतों से ज्यादा था, लेकिन कुल मिलाकर, बाहर से आने वाला प्रदूषण सबसे बड़ा खिलाड़ी रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक एनसीआर के जिलों और पड़ोसी राज्यों से आने वाला प्रदूषण दिल्ली की हवा को प्रभावित करता है। दिल्ली की जगह ठीक वैसी है कि उत्तर और उत्तर-पश्चिम की हवाएं आसपास के इलाकों की गंदी हवा शहर में ले आती हैं। इसलिए, दिल्ली की प्रदूषण समस्या को सुलझाने के लिए सिर्फ शहर स्तर पर काम नहीं चलेगा, बल्कि पूरे एयरशेड में साथ मिलकर कदम उठाने होंगे।

2025 की सर्दी में पराली जलाने से दिल्ली के पीएम2.5 प्रदूषण में करीब 10.6 फीसदी की कमी आई, जो 2024 से तुलना में अच्छी खबर है। 15 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच, जब पराली जलाने का पीक टाइम होता है, 2025 में औसतन 4.9 फीसदी योगदान रहा। जबकि 2024 में यही आंकड़ा 15.5 फीसदी था। रोजाना के आंकड़ों से पता चला कि 2025 में सबसे ज्यादा असर 12 नवंबर को पड़ा, जब 22.47 फीसदी प्रदूषण पराली से आया। उसके बाद 15 नवंबर को 16.48 फीसदी और 17 नवंबर को 16.14 फीसदी रहा।

2024 में ये आंकड़े कहीं ज्यादा ऊंचे थे। 15 नवंबर को 37.52 फीसदी, 1 नवंबर को 35.18 फीसदी और 14 नवंबर को 33.33 फीसदी तक पहुंच गया था। ये कमी दिखाती है कि पराली जलाने पर लगाम लगाने के प्रयासों का कुछ असर तो हुआ है, लेकिन अभी भी ये समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई। सर्दियों में दिल्ली की हवा में ये एक बड़ा फैक्टर रहता है, जो किसानों की मजबूरी और मौसम की वजह से बढ़ता है।

जनवरी, अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में यहां सबसे ज्यादा प्रदूषण देखा गया। पीएम10 के लिए भी सुधार दिखा। 2025 में सालाना औसत 197 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर रहा, जबकि 2024 में 211 था। हरियाणा का धारुहेरा यहां सबसे आगे रहा, जहां औसत 278 माइक्रोग्राम दर्ज हुआ। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में यहां के स्तर काफी ऊंचे थे। दिल्ली में नवंबर फिर सबसे गंदा महीना रहा, जब पीएम10 365 माइक्रोग्राम तक पहुंचा। 2024 के नवंबर में ये 395 था। ये आंकड़े बताते हैं कि सर्दियां दिल्ली और आसपास के इलाकों के लिए सबसे मुश्किल समय होती हैं, जब धुंध और धुआं मिलकर हवा को जहरीला बना देते हैं।

2025 में दिल्ली का सालाना औसत एक्यूआई 201 रहा। पूरे साल में एक भी 'गुड' दिन नहीं मिला। संतोषजनक दिन 79 थे, मॉडरेट 121, पुअर 86, वेरी पुअर 71 और सीवियर 8 दिन। 2024 से तुलना करें तो संतोषजनक दिन 66 थे, जबकि सीवियर दिन 17 थे। वेरी पुअर दिन लगभग वैसे ही रहे, 70 ये सुधार ज्यादातर जून और जुलाई के बेहतर मौसम से आया, जिसने सालाना औसत को थोड़ा नीचे खींचा। दिल्ली की हवा में ये बदलाव दिखाते हैं कि कुछ कदम काम कर रहे हैं, लेकिन बाहर से आने वाला प्रदूषण अभी भी बड़ा मुद्दा है। गाड़ियां लोकल स्तर पर सबसे बड़ा स्रोत बनी हुई हैं, जबकि इंडस्ट्री और कंस्ट्रक्शन भी पीछे नहीं है।

56 इंच का है तो पाकिस्तान में छिपे 26/11 के मास्टर माइंड को उठा लाना चाहिए: ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी सेना द्वारा हिरासत में लिए जाने और उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका ले जाए जाने की घटना ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के साथ-साथ भारत के घरेलू राजनीतिक गलियारों में भी हलचल पैदा कर दी है। इस वैश्विक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। मुंबई में आयोजित एक जनसभा के दौरान ओवैसी ने अमेरिकी कार्रवाई का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री को सीधे तौर पर चुनौती दी।

ओवैसी ने अपने संबोधन में कहा कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेना वेनेजुएला जैसे देश में घुसकर वहां के राष्ट्रपति को पकड़कर अमेरिका ला सकती है, तो भारत सरकार को भी ऐसी ही दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के 56 इंच के सीने वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भारत को पाकिस्तान में छिपे उन आतंकवादियों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई करनी चाहिए जो 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड हैं। ओवैसी ने मसूद अजहर और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों का नाम लेते हुए कहा कि यदि ट्रंप अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए दूसरे देश में सैन्य ऑपरेशन कर सकते हैं, तो भारत सरकार को भी पाकिस्तान जाकर इन अपराधियों को उठाकर लाना चाहिए।

यह राजनीतिक बयानबाजी उस सैन्य अभियान के बाद शुरू हुई है जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को वेनेजुएला पर एक बड़े हमले की पुष्टि की। अमेरिकी सेना ने राजधानी काराकास और उसके आसपास के क्षेत्रों में तीव्र ऑपरेशन चलाया, जिसके परिणामस्वरूप निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में ले लिया गया। अमेरिका का दावा है कि मादुरो नार्को-टेररिज्म और अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त हैं और उन पर न्यूयॉर्क की अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा। ट्रंप प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब तक स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाती, तब तक अमेरिका अंतरिम रूप से वेनेजुएला की व्यवस्थाओं की निगरानी करेगा। विश्व स्तर पर इस कार्रवाई को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। जहां कई देशों ने इसे किसी राष्ट्र की संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है, वहीं वेनेजुएला के विपक्षी दलों और विदेशों में रह रहे वेनेजुएलाई प्रवासियों ने इसे एक नई शुरुआत मानकर जश्न मनाया है। भारत में इस मुद्दे को स्थानीय सुरक्षा और आतंकवाद से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग और तेज होने के आसार हैं।

बेल्लारी से बीजेपी वियाधक ने केंद्रीय मंत्री शाह से मांगी सुरक्षा... कर्नाटक सरकार से जान को खतरा

कर्नाटक (एजेंसी)। कर्नाटक के बेल्लारी जिले के भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सुरक्षा देने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताकर केंद्रीय सुरक्षा बलों से सहायता की मांग की है। पत्र में विधायक रेड्डी ने बताया कि उनका जन्म और पालन-पोषण बेल्लारी में हुआ है। मैं बेल्लारी जिले का जिला भाजपा अध्यक्ष, एमएलसी और भाजपा सरकार में पर्यटन मंत्री भी रह चुका हूं। फिलहाल वह गंगावती निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हैं और पार्टी को कर्नाटक की सत्ता में वापस लाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहा हैं। बीजेपी विधायक रेड्डी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी उनके खिलाफ साजिश कर रही है। वह राज्य के विभिन्न हिस्सों में भाजपा के समर्थन में रैलियां और जनसभाएं आयोजित कर रहे हैं, इससे कांग्रेस पार्टी के नेताओं में असंतोष और घबराहट है। बेल्लारी के वर्तमान कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी के खिलाफ भी उन्होंने गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2026 को बेल्लारी में हिंसक घटना के दौरान नारा रेड्डी के समर्थकों ने उनके घर के पास हमला किया। नारा भरत रेड्डी के गुंडों ने गोलीबारी की, इसमें राजा शेखर नामक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। बीजेपी विधायक ने घटना को उनके जीवन के लिए बड़ा खतरा बताकर आरोप लगाया कि राज्य पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है।

जनार्दन रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार उनकी सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है, इसलिए उन्होंने केंद्रीय बलों से सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उन्हें अपने जीवन की रक्षा का अधिकार है। मेरी जान को बहुत खतरा है। राज्य में कांग्रेस पार्टी का शासन है, कानून व्यवस्था उनके नियंत्रण में है और सबसे खराब स्थिति में है। राज्य पुलिस अपने राजनीतिक आकाओं के निर्देशों का पालन करने के लिए मजबूर है।

लालू का नया आलीशन आशियाना विवादों में... आवंटित जमीन में नियम और शर्तों का उल्लंघन

-सामाजिक कार्यकर्ता ने डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को पत्र लिखकर जांच की मांग की

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के नए कौटिल्य नगर आवास को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता विकास चंद्र उर्फ गुड्डू बाबा ने आरोप लगाया है कि सांसद-विधायकों को आवंटित जमीन में नियम और शर्तों का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच की मांग कर दी है। आरोपों के अनुसार, लालू और उनके परिवार ने एक से अधिक प्लॉट लेकर आलीशान घर बनाया, जबकि नियम ये थे कि किसी को एक से अधिक प्लॉट नहीं मिलेगा और जमीन बेचने पर सोसाइटी को सरेंडर करनी होगी।

बात दें कि कौटिल्यनगर की जमीन मूल रूप से वेटनरी कॉलेज की थी, इस 1916 में पटना विश्वविद्यालय के लिए अधिग्रहित किया गया। 1987 में बिहार सांसद एवं विधायक सहकारी समिति को 15 एकड़ जमीन दी गई, ताकि सांसद-विधायकों को आवास के लिए प्लॉट आवंटित हो सकें। 1992 में लालू यादव को प्लॉट संख्या 208 आवंटित हुआ था, लेकिन आरोप है कि उन्होंने अतिरिक्त प्लॉट 207, 151, 209, 211 और 210 हासिल किए। इसमें से कुछ प्लांट सस्ते दामों पर खरीदे गए थे।

लीज की शर्तों के अनुसार जमीन केवल आवासीय उपयोग के लिए थी। हालांकि, लालू यादव के रेल मंत्री रहते हुए प्लॉट 208 पर एसएसबी का जोनल ऑफिस चला और 2017 में समाप्त हुई लीज को 2025 में रिन्यू किया गया। दिवंगत सुशील कुमार मोदी की किताब 'लालू लीला' में भी जमीन के अतिरिक्त प्लॉट लेने का दावा किया गया है। वहीं राजनीतिक प्रतिक्रियाओं में जदयू के एमएलसी नीरज कुमार ने जांच की मांग कर पूछा कि जमीन दान में मिली या सर्किल रेट पर खरीदी गई। वहीं डिप्टी सीएम सिन्हा ने कहा कि शिकायत मिलने पर तुरंत जांच होगी और अगर धोखाधड़ी या राजस्व हानि पाई गई तो कार्रवाई की जाएगी।

वर्तमान में लालू परिवार 14 जनवरी 2026 तक खरमास समाप्त होने के बाद कौटिल्यनगर शिफ्ट होने की तैयारी में है। घर का निर्माण तेजी से चल रहा है, जिसमें 24 से अधिक मजदूर काम कर रहे हैं। लेकिन गुड्डू बाबा ने मांग की है कि जांच पूरी होने तक निर्माण न हो। कुल मिलाकर यह विवाद लालू परिवार के 10 सर्कुलर रोड और अन्य सरकारी आवास खाली करने के नोटिस के बाद बिहार की राजनीति में नया तनाव पैदा कर रहा है। यह मामला नियम, जमीन और रसूख को लेकर राजनीतिक हलकों में बहस का केंद्र बन चुका है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, -mail bheempragya@gmail.com